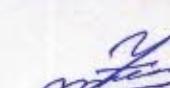


Sahakarbhushan S. K. Patil College, Kurundwad, Tal.- Shirol, Dist- Kolhapur 2020-2021

| Name of Faculty | Intake Capacity | GRANTABLE STUDENTS | | | | | | | | | | | | Grand Total | | | | | | | |
|-----------------|-----------------|--------------------|----|----|----|-----|----|-----|----|-----|-----|-----|---|-------------|----|-----|----|------|-----|-------|-----|
| | | SC | | ST | | VJA | | NTB | | NTC | | NTD | | OBC | | SBC | | OPEN | | TOTAL | |
| M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F |
| B.A.I | 240 | 27 | 14 | 0 | 0 | 4 | 5 | 5 | 3 | 19 | 4 | 0 | 0 | 23 | 5 | 9 | 4 | 82 | 36 | 169 | 71 |
| B.A.II | 240 | 21 | 14 | 0 | 0 | 4 | 2 | 6 | 2 | 5 | 8 | 0 | 0 | 9 | 5 | 3 | 4 | 54 | 36 | 102 | 71 |
| B.A.III | 120 | 11 | 11 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 | 1 | 8 | 7 | 0 | 0 | 7 | 5 | 0 | 1 | 19 | 22 | 48 | 48 |
| TOTAL | 600 | 59 | 39 | 0 | 0 | 8 | 8 | 14 | 6 | 32 | 19 | 0 | 0 | 39 | 15 | 12 | 9 | 155 | 94 | 319 | 190 |
| B.COM I | 120 | 3 | 9 | 0 | 0 | 2 | 1 | 2 | 3 | 5 | 8 | 0 | 0 | 8 | 6 | 4 | 2 | 25 | 42 | 49 | 71 |
| B.COM II | 120 | 3 | 11 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 2 | 2 | 6 | 0 | 0 | 5 | 9 | 1 | 2 | 24 | 53 | 36 | 84 |
| B.COM III | 120 | 1 | 7 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 2 | 5 | 0 | 0 | 6 | 8 | 1 | 3 | 24 | 42 | 36 | 65 |
| TOTAL | 360 | 7 | 27 | 0 | 0 | 2 | 2 | 5 | 5 | 9 | 19 | 0 | 0 | 19 | 23 | 6 | 7 | 73 | 137 | 121 | 220 |
| B. SC I | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 |
| B. SC II | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 |
| B. SC III | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 0 | 0 | 0 |
| TOTAL | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| GRAND TOTAL | | 66 | 66 | 0 | 0 | 10 | 10 | 19 | 11 | 41 | 38 | 0 | 0 | 58 | 38 | 18 | 16 | 228 | 231 | 440 | 410 |
| | | 132 | 0 | 20 | 30 | 79 | 0 | 96 | 34 | 459 | 850 | | | | | | | | | | |

| Name of Faculty | Intake Capacity | NON GRANTABLE STUDENTS | | | | | | | | | | | | Grand Total | | | | | | | |
|-----------------|-----------------|------------------------|----|----|---|-----|---|-----|---|-----|-----|-----|----|-------------|----|-----|----|------|----|-------|-----|
| | | SC | | ST | | VJA | | NTB | | NTC | | NTD | | OBC | | SBC | | OPEN | | TOTAL | |
| M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F |
| B.A.I | 120 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 | 1 | 2 |
| B.A.II | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| B.A.III | 120 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| TOTAL | 240 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 | 1 | 2 |
| B.COM I | 120 | 51 | 4 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 | 1 | 0 | 16 | 12 | 26 | 19 |
| B.COM II | 0 | 0 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 | 0 | 0 | 1 | 2 | 0 | 0 | 3 | 10 | 5 | 17 |
| B.COM III | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| TOTAL | 120 | 5 | 7 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 | 2 | 0 | 0 | 2 | 5 | 1 | 0 | 19 | 22 | 31 | 36 |
| B. SC I | 120 | 3 | 3 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 4 | 10 | 0 | 0 | 14 | 13 | 25 | 53 |
| B. SC II | 120 | 0 | 3 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 4 | 8 | 0 | 0 | 15 | 12 | 23 | 25 |
| B. SC III | 120 | 3 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 4 | 1 | 0 | 0 | 11 | 4 | 0 | 0 | 15 | 12 | 33 | 33 |
| TOTAL | 6 | 10 | 1 | 0 | 1 | 1 | 2 | 2 | 8 | 4 | 0 | 0 | 19 | 22 | 0 | 0 | 44 | 37 | 81 | 76 | 157 |
| GRAND TOTAL | 360 | 11 | 17 | 1 | 0 | 2 | 1 | 2 | 2 | 11 | 6 | 0 | 0 | 21 | 27 | 1 | 0 | 64 | 61 | 113 | 114 |
| | | 28 | 1 | 3 | 4 | 17 | 0 | 48 | 1 | 125 | 227 | | | | | | | | | | |

| Name of Faculty | Intake Capacity | TOTAL STUDENTS | | | | | | | | | | | | Grand Total | | | | | | | |
|-----------------|-----------------|----------------|----|----|----|-----|----|-----|----|-----|------|-----|---|-------------|----|-----|----|------|-----|-------|-----|
| | | SC | | ST | | VJA | | NTB | | NTC | | NTD | | OBC | | SBC | | OPEN | | TOTAL | |
| M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F | M | F |
| B.A.I | 360 | 27 | 14 | 0 | 0 | 4 | 5 | 5 | 3 | 19 | 4 | 0 | 0 | 23 | 5 | 9 | 4 | 83 | 36 | 170 | 73 |
| B.A.II | 240 | 21 | 14 | 0 | 0 | 4 | 2 | 6 | 2 | 5 | 8 | 0 | 0 | 9 | 5 | 3 | 4 | 54 | 36 | 102 | 71 |
| B.A.III | 240 | 11 | 11 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 | 1 | 8 | 7 | 0 | 0 | 7 | 5 | 0 | 1 | 19 | 22 | 48 | 48 |
| TOTAL | 840 | 59 | 39 | 0 | 0 | 8 | 8 | 14 | 6 | 32 | 19 | 0 | 0 | 39 | 15 | 12 | 9 | 156 | 96 | 320 | 192 |
| B.COM I | 240 | 8 | 13 | 0 | 0 | 3 | 1 | 2 | 3 | 7 | 8 | 0 | 0 | 9 | 9 | 5 | 2 | 41 | 54 | 75 | 90 |
| B.COM II | 120 | 3 | 14 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 2 | 3 | 8 | 0 | 0 | 6 | 11 | 1 | 2 | 27 | 63 | 41 | 101 |
| B.COM III | 120 | 1 | 7 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 2 | 5 | 0 | 0 | 6 | 8 | 1 | 3 | 24 | 42 | 36 | 65 |
| TOTAL | 480 | 12 | 34 | 0 | 0 | 3 | 2 | 5 | 5 | 12 | 21 | 0 | 0 | 21 | 28 | 7 | 7 | 92 | 159 | 152 | 256 |
| B. SC I | 120 | 3 | 3 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 2 | 1 | 0 | 0 | 4 | 10 | 0 | 0 | 14 | 13 | 25 | 53 |
| B. SC II | 120 | 0 | 3 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 2 | 2 | 0 | 0 | 4 | 8 | 0 | 0 | 15 | 12 | 23 | 48 |
| B. SC III | 120 | 3 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 4 | 1 | 0 | 0 | 11 | 4 | 0 | 0 | 15 | 12 | 33 | 56 |
| TOTAL | 6 | 6 | 10 | 1 | 0 | 1 | 1 | 2 | 2 | 8 | 4 | 0 | 0 | 19 | 22 | 0 | 0 | 44 | 37 | 81 | 76 |
| GRAND TOTAL | 360 | 77 | 83 | 1 | 0 | 12 | 11 | 21 | 13 | 52 | 44 | 0 | 0 | 79 | 65 | 19 | 16 | 292 | 292 | 553 | 524 |
| | | 160 | 1 | 23 | 34 | 96 | 0 | 144 | 35 | 584 | 1077 | | | | | | | | | | |


PRINCIPAL
 Sahakarbhushan S.K.Patil
 College, Kurundwad



Estd : 1962
NAAC 'A' Grade

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR - 416 004

Phone : EPABX - 2609000 Special Cell - 260 9148.

Website : www.unishivaji.ac.in

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापुर ४१६ ००४

फोन इमेल एक्स्प्रेस २६०९५००० विडियो कला २६०९५८८८

जाक्र.विशेष कक्ष/ १७६

दिनांक : ७/८/२०२०

१.४ AUG 2020

प्रति,

१. मा. प्राचार्य,
सर्व संलग्नित महाविद्यालये,
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर.

३. मा. अधिविभागप्रमुख,
सर्व पदव्युत्तर अधिविभाग,
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर.

२. मा. सचिव,
सर्व संलग्नित शैक्षणिक संस्था,
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर.

विषय : १. सन २०२० — २०२१ या शैक्षणिक वर्षामध्ये संलग्नित महाविद्यालये /
शैक्षणिक संस्था तसेच विद्यापीठाच्या विविध पदव्युत्तर अधिविभागातील
विद्यार्थी प्रवेशामधील आरक्षण

२. सन २०२० — २०२१ या शैक्षणिक वर्षातील विद्यार्थी वसतिगृह (हॉस्टेल)
प्रवेशावाबत.

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषयासंदर्भात राज्य शासनाने अकृती विद्यापीठे व संलग्नित महाविद्यालये/संस्था
यांच्यामधील विद्यार्थी प्रवेशासाठी विहित केलेल्या सामाजिक आरक्षणाची टक्केवारी खालीलप्रमाणे
आपणास योग्य त्या कार्यवाहीसाठी कठविण्यान येत आहे :

| अ. क्र. | मागास प्रवर्ग | आरक्षणाची विहित टक्केवारी |
|---------|---------------------------------------|------------------------------|
| १. | अनुसूचित जाती | SC १३ % |
| २. | अनुसूचित जमाती | ST ७ % |
| ३. | विमुक्त जाती (अ) | VJA ३ % |
| ४. | भटक्या जमाती (ब) | NTB २.५ % |
| ५. | भटक्या जमाती (क) | NTC ३.५ % |
| ६. | भटक्या जमाती (ड) | NTD २ % |
| ७. | इतर मागासवर्ग | OBC १९ % |
| ८. | सामाजिक आणि शैक्षणिक मागास प्रवर्ग | SEBC १२ % |
| ९. | आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटक | EWS १० % |
| १०. | खुला | Open २८ % |
| एकूण | | १०० % |

(टीप : १. संस्था/महाविद्यालयातील प्रवेशासाठीच्या जावाबदीर अधिकाऱ्यांनी शासनान्वया विहित आरक्षण घोरणामुळे
मागासवर्गांव्या विद्यार्थ्यांना "प्रवेशामध्ये आरक्षण देण्याची कार्यवाही शेवटीच्या प्रवेश दिनाकारपर्यंत करावयाची आहे.
२. खोलया संवर्गातील आरक्षणविषयक दि. २१/८/२०१९ च्या शासन परिपत्रकास दि. २२/८/२०१९ रोजीच्या
शासन निर्णयान्वये स्थगिती देण्यात आली आहे. तथापि दि. २७/२/२०२० रोजीच्या शासन परिपत्रकान्वये दि.
४/३/२०२० रोजीच्या आरक्षण टक्केवारीप्रमाणे उपरोक्त निर्धारण कठविण्यात आले आहे. काही संवर्गांच्या
आरक्षणावाबत मा. सर्वोच्च न्यायालयामध्ये याचिकी प्रलिखित आहे. मा. सर्वोच्च न्यायालयाच्या निर्णयाप्रमाणे जर
बदल झाल्यास उपरोक्त आरक्षण टक्केवारीतही बदल होऊ शकतो.)

विद्यार्थी प्रवेशातील समांतर आरक्षणाबाबत :

सामाजिक आरक्षणाबरोबरच खालीलप्रमाणे समांतर आरक्षण विद्यार्थी प्रवेशासाठी शासनाने निर्धारित केले आहे —

१. विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रियेमध्ये महिलासाठी पदवी स्तरावर शासन निर्णय क्र. जीईसी — २००० (१२३/२००७) / टी.ई.१ दि. १७.०४.२००० नुसार ३० टक्के आरक्षण देय आहे.
(सोबत पृष्ठ क्र. ६ ते ७)
२. शासन निर्णय क्र. संकीर्ण—२०१८/प्र.क्र. २३१/तात्त्व.४ दि. २५.६.२०१८ नुसार अकृषी विद्यार्थीते संलग्नित महाविद्यालयातील सर्व स्तरीय प्रवेशामध्ये दिव्यांग (अयंग) विद्यार्थ्यांसाठी साठी ५ टक्के आरक्षण देय आहे.
(सोबत पृष्ठ क्र. ८ ते ९)
३. शासन निर्णय क्र. २०११/प्र. क्र. २०१२/क्र. ३ दि. ०२.०४.२०१८ नुसार अनाथ विद्यार्थ्यांना विद्यार्थी प्रवेशामध्ये १ टक्का आरक्षण देय आहे.
(सोबत पृष्ठ क्र. १० ते १२)
४. माजी सैनिक व त्वाच्या पाल्याना विद्यार्थी प्रवेशामध्ये १० टक्के आरक्षण देय आहे.
यासंदर्भातील कार्यवाहीसाठी कृपया खालील शासन पत्रे, परिपत्रके, शासन निर्णय, अवलोकनी घेण्यात यावीत :
(सोबत पृष्ठ क्र. १३ ते १८)
 - अ) महाराष्ट्र शासनाचे क्र. औंचिमु २०१२/प्र. क्र. १८७/विशि—३ उच्च व तंत्र शिक्षण विभागाचे दि. १६.०८.२०१२ रोजीचे शासन पत्र.
 - ब) महाराष्ट्र शासन, मा. शिक्षण संचालक, (उच्च शिक्षण), महाराष्ट्र राज्य यांचे क्र. युएनआय/२०१२/मा. सैनिक/अवि/विशि — ८ १८७११ दि. ०६.१२.२०१२ रोजीचे शासनपत्र.
 - क) महाराष्ट्र राज्य उच्च व तंत्र शिक्षण विभागाचे क्र. माजीसे—२००६/(२४१/०६)/मरि—६ दि. १०.०९.२००७ रोजीचे शासन पत्र.
 - ड) महाराष्ट्र राज्य, शिक्षण व सेवा योजन विभागाचे क्र. टी.सी.एम.१२०४/१६७/८५/मा.शि. दि. १३.०६.१९८५ रोजीचे शासनपत्र.
 - इ) महाराष्ट्र राज्य, शिक्षण व सेवा योजन विभागाचे क्र. टी.सी.एम. १९८४/१८५/८४३/मा.शि—४ दि. २८.०६.१९८४ रोजीचे पत्र.
 - फ) महाराष्ट्र राज्य, सैनिक कल्याण विभागाचे क्र. १८१६४/शी.स/सैकवि—१७ दि. २८.०२.२०१७ रोजीचे पृत्र.

वरील सर्व शासन पत्रे, परिपत्रके, शासन निर्णय, इत्यादी विद्यार्थीठाच्या संकेतस्थळावर (www.unishivaji.ac.in) उपलब्ध आहेत.

प्रवेश प्रक्रियेसंदर्भातील इतर सर्वसाधारण सूचना :

- १ संलग्नित महाविद्यालये/संस्था नसेच विद्यापीठातील विविध अधिविभागांनी गुणवत्ता यादी (Merit list) तयार करून खुल्या किंवा अराखीब संवर्गातील पर्याप्त जागावर प्रथमतः विद्यार्थी/विद्यार्थीनीना त्यांच्या मागास प्रवर्गाचा विचार न करता गुणानुक्रमे खुल्या प्रवर्गातून प्रवेश घ्यावा.
(सोबत पृष्ठ क्र. १९)
 - २ बरीलबाबत मागासवर्गाच्य विद्यार्थी/विद्यार्थीनीना खुल्या प्रवर्गातील जागावर त्यांच्या गुणानुक्रमे प्रवेश दिला जात असल्याने आरक्षणाची विहित मर्यादा अथवा टक्केवारी त्यामुळे ओलांडली असे होणार नाही, याचाबत योग्य ती दक्षता घ्यावी.
 - ३ सामाजिक आरक्षणाचा लाभ घेऊ इच्छिणाऱ्या मागासवर्गाच्य विद्यार्थी/विद्यार्थीनी यांनी (अनुजाती/अनुजमाती व्यतिरिक्त) विहित मुदतीतील शासनाच्या सक्षम प्राधिकाऱ्याचे नॅन—क्रिमिलेअर प्रमाणपत्र प्रवेशासाठी सादर करणे आवश्यक आहे. तसेच आर्थिक दुर्बल घटकांसाठीच्या १० टक्के आरक्षणातर्गत प्रवेश घेऊ इच्छिणाऱ्या विद्यार्थी/विद्यार्थीनी यांनीही त्याचाबतचे शासनाच्या रक्षम प्राधिकाऱ्याचे प्रमाणपत्र प्रवेशासाठी सादर करणे आवश्यक आहे.
(सोबत पृष्ठ क्र. २० ते २२)
 - ४ विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षणाची पदे उद्या मागास प्रवर्गासाठी राखीब आहेत त्याच मागास प्रवर्गातून सर्व नियमांचे काटेकोर पालन करून भरणे आवश्यक आहे. संबंधित मागास प्रवर्गातील विद्यार्थ्यांच्या उपलब्धते अभावी प्रवेश रिक्त रहात असतील तर अन्य मागास प्रवर्गातून रिक्त प्रवेश पूर्ण करण्याबाबत महाराष्ट्र शासनाच्या दि. ११.७.१९९७ रोजीच्या शासन निर्णयातील तरतुदीनुसार कार्यवाही करावी.
(सोबत पृष्ठ क्र. २३ ते २४)
 - ५ उच्च व तंत्रशिक्षण विभागाच्या दि. ११.७.१९९७ रोजीच्या शासन निर्णयात विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षणाच्या जागा रिक्त राहिल्यां तर त्याचाबत पदकी व पदव्युत्तर अभ्यासक्रमाच्या प्रवेशासाठी (एम. फिल व पीएच. डी वगळून) करावयाची कार्यवाही, शासन निर्णयातील मुददा क्र. ३ व क्र. ४ येथे नमूद केली आहे. ती खालीलप्रमाणे :
- मुददा क्र. (३). : गुणवत्ता यादीनुसार प्रवेश प्रक्रिया केल्यानंतर जर कोणत्याही मागासवर्गाच्य प्रवर्गासाठी आरक्षित असलेल्या जागापैकी काही जागा रिक्त राहिल्या तर त्या जागेवर एकूण प्रवेश क्षमतेच्या जास्तीत जास्त २ टक्के पर्यंत प्रवेशासाठी विशेष मागास प्रवर्गाच्य उमेदवारांना प्रवेशासाठी प्राधान्य देण्यात यावे.
- मुददा क्र. (४). : रिक्त जागेवर विशेष मागास प्रवर्गातील उमेदवारांना कमाल २ टक्के जागावर प्रवेश दिल्यानंतर जर जागा रिक्त राहिल्या तर त्या जागा इतर सर्व मागासवर्गाच्य प्रवर्गातील उमेदवारांची गुणवत्तेनुसार सर्गमिसळ करून भरण्यात याव्यात.

बरीलप्रमाणे कार्यवाहीसाठी संबंधितानी दि. ११.७.१९९७ रोजीचा मूळ शासन निर्णयही कृपया सविस्तर अवलोकनी घ्यावा. आणखी असे की, सदर शासन निर्णयातील तरतुदीच्या अनुषंगाने विद्यापीठाने राज्य शासनाकडून मार्गदर्शन मागविले आहे. ते प्राप्त होताच वा अन्य मागानि शासनाने बरील तरतुदीसंदर्भात काही अद्यायाबत आदेश निर्गमित केल्यास त्यानुसार कार्यवाही करणे आवश्यक आहे.

६ विद्यापीठातील पीजीबीयुटीआर विभागाद्वारे नियंत्रित होणाऱ्या एम.फिल/पी.एचडी प्रवेशासंदर्भात युजीसी वा अन्य शिखर संस्थानी विद्यार्थी प्रवेशावाबत सूचना जारी केल्या असतील तर सदर प्रवेशासाठी त्या विचारात घेणेत याव्यात. संबंधितांनी यासंदर्भात पीजीबीयुटीआर विभागाच्या प्रवेश माहितीपुस्तिकेने (Prospects) सुक्षम अवलोकन करावे. सदर एम.फिल/पी.एचडी अभ्यासक्रमांसाठीच्या प्रवेशातील मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांसाठी राखीव असलेल्या जागा विद्यार्थ्यांच्या उपलब्धतेरेवजी रिक्त राहिल्या तर त्या त्याच मागास प्रवर्गातर्गत भरण्यासाठी पुनःच विशेष प्रवेश मोहिमेने (Special drive) आयोजन संबंधित विभागाद्वारे करण्यात येईल. तसेच विशेष मोहिमेने आयोजन करूनही मागास प्रवर्गातील प्रवेशाच्या जागा रिक्त राहिल्या तर त्या वर क्र. ५ येथे नमूद केलेल्या दि. ११.७.१९९७ रोजीच्या शासन निर्णयातील तदतुदीनुसार भरण्यात याव्यात.

एम.फिल/पी.एचडी विद्यार्थी प्रवेशातील रिक्त राहिलेल्या मागासवर्गीय जागांवाबत विशेष कक्ष (विद्यापीठ प्रशासन व पदव्युत्तर अधिविभाग) स्थायी समितीच्या उपसमितीने केलेल्या शिफारसी, त्यांस मा. कुलगुरु व स्थायी समितीने दिलेली मान्यता यांच्या अनुंयाने वरीलप्रमाणे कार्यवाही करण्यात यावी.

आणखी असे की, सदर शासन निर्णयातील तदतुदीच्या अनुंयाने विद्यापीठाने शाज्य शासनाकडून मार्गदर्शन मागविले आहे. ते प्राप्त होताच वा अन्य मागाने शासनाने वरील तदतुदीसंदर्भात काही अद्यावत आदेश निर्गमित केल्यास त्यानुसार कार्यवाही करणे आवश्यक राहील.

७ दिव्यांग (अपंग), अनाथ, माजी सैनिक इ. समांतर आरक्षणातर्गत प्रवेशासाठी अर्ज करणाऱ्या विद्यार्थी/विद्यार्थीनी यांनी सदर आरक्षणावाबत शासनाच्या संबंधित सक्षम प्राधिकाऱ्याचे प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक आहे.

८ विद्यापीठातील विविध अधिविभागांनी विद्यार्थी प्रवेशातील दिव्यांग (अपंग), अनाथ, माजी सैनिक इ. समांतर आरक्षणातर्गत प्रवेश देत असताना, विशेष कक्ष (विद्यापीठ प्रशासन व पदव्युत्तर अधिविभाग) स्थायी समितीच्या उपसमितीने दि. २९.६.२०१८ रोजीच्या बैठकीतील मुद्दा क्र.२ बाबत नमूद केलेल्या अ.व आणि क.या टप्प्यानुसार कार्यवाही करावी. दि. २९.६.२०१८ रोजीच्या बैठकीचा कार्यवृत्तांत सोबत देण्यात येत आहे. (सोबत पृष्ठ क्र.२५ ते २६)

९ शासनाने विद्यार्थी प्रवेशासाठी लागू केलेल्या एमर्हबीसी (मराठा) आरक्षण आणि अर्थीक टुबल घटकांसाठीच्या आरक्षणाची कार्यवाही, यासंदर्भातील शासनाचे अधिनियम, अधिसूचना, शासन आदेश, परिपत्रके, शुद्धीपत्रके इ. द्वारे शासनाने निर्गमित केलेल्या सूचनांच्या काटेकोर अंमलव्याजावणीद्वारे करावी. (सोबत पृष्ठ क्र.२७ ते २९)

१० महाविद्यालय/संस्था यांच्या स्तरावर विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षणाच्या संबंधाने काही विशेष बाब निर्माण झाल्यास अथवा तक्रारी प्राप्त झाल्यास त्यांचे निराकरण संबंधित महाविद्यालयातील/संस्थेतील प्रवेश समितीने, दंडक १५८ नुसार संबंधित महाविद्यालयात/संस्थेत गठित केलेल्या स्थायी समितीच्या माध्यमातृन करावयाचे आहे. विद्यापीठ स्तरावरील यासंदर्भातील कार्यवाही संबंधित अधिविभागातील प्रवेश समिती आणि विशेष कक्ष स्थायी समिती (विद्यापीठ प्रशासन व पदव्युत्तर अधिविभाग) अथवा स्थायी समिती गठित उपसमिती यांचेद्वारे करण्यात येईल.

११ स्कॉलरशीप अथवा फ़िशीपसाठी अर्ज करणाऱ्या पात्र मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांकडून, शासनाच्या सामाजिक न्याय व सांस्कृतीक कार्य, क्रीडा व विशेष सहाय विभागाच्या क्र. इबीसी. २००३/प्रक्र./३०१/मावक—२ दि. ११.२००३ रोजीच्या शासन निर्णयानुसार कोणतेही शैक्षणिक शुल्क घेता येणार नाही.

१२ शासनाने विद्यार्थी प्रवेशासाठी लागू केलेल्या सामाजिक आरक्षणापैकी ज्या मागास प्रवर्गाच्या आरक्षणासंदर्भातील याची न्यायप्रविष्ट आहेत त्यासंदर्भातील पुढील कार्यवाही मा. न्यायालयाचे न्यायनिर्णय, व सदरबाबत शासनाकडून ज्या त्या वेळी प्राप्त होणारे शासन निर्णय/परिपत्रके इ. नुसार करणे बंधनकारक आहे.

१३ विद्यार्थी प्रवेशामध्ये सामाजिक अथवा समांतर आरक्षण लागू करण्यासंदर्भात शासनाने शासन निर्णय/परिपत्रके/शासन पत्रे इ. द्वारे विहित केलेल्या सर्व शर्ती आणि अटी या आरक्षणातर्गत प्रवेश घेण्यासाठी लागू आहेत.

१४ महाविद्यालय/शैक्षणिक संस्था तसेच विद्यापीठातील विविध अधिविभागातील विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षणाबाबत उपरोक्त प्रमाणे सर्वसाधारण सूचना करण्यात येत आहेत. तथापि, त्यामध्ये मा. न्यायालयाने न्यायनिर्णय, शासनाकडून वेळोवेळी जारी करण्यात येणारे नियम, अधिनियम, अधिसूचना, शासन आदेश, परिपत्रके, शुद्धीपत्रके, विद्यापीठ नियम इ. द्वारे बदल करण्यात आल्यास त्या अनुषंगाने योग्य ती पुढील कार्यवाही करून सन २०१९—२० मध्यील विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया विहित पद्धतीचा अवलंब करून नियमानुसार करायात याची.

महाविद्यालय/शैक्षणिक संस्था तसेच विद्यापीठातील विविध अधिविभागांमध्ये सन २०१९—२० करिता देण्यात येणाऱ्या विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षणाची माहिती विद्यापीठाच्या सांखियकी विभागाद्वारे स्वतंत्र परिपत्रकान्वये मागविण्यात येहेल. त्यानुसार संबंधित विभागाकडे विहित प्रपत्रातील माहिती महाविद्यालय/शैक्षणिक संस्था तसेच विद्यापीठातील विविध अधिविभागानी तात्काळ देणे अत्यावश्यक आहे याची नोंद घेण्यात याची.

कलावे,

आपला विश्वास,
कुलसचिव।

सोबत : वरीलप्रमाणे

प्रत : माहितीसाठी व आवश्यक त्या कार्यवाहीसाठी १. पदव्युत्तर प्रवेश विभाग
2. पीजी बीयटीआर विभाग
3. सांखियकी विभाग

२००५०८ ॥ १३०३०४०० - २५०२

महाराष्ट्र राज्यांतरिक विद्यापीठे व इटाना मरलांग
असलेल्या अहाविद्यालयातील यश्वी अभ्यासक्रमांकरिता
महिलाशाळी ३० टक्के आवश्यक ठेवण्याचाबद

महाराष्ट्र शासन

उच्च व तीव्र शिक्षण विभाग

शासन निर्णय दं. यीहीसी-१०००/(१२६/२०००)/तांडि-१

प्राचलय विस्तार घवन, मुंबई-४०० ०४२

दिनांक: १७ ऑगस्ट, २०००

प्रमाणना:-

भारताच्या संविधानात, खंड, पुराय थेंद न ठेवता समाजातील शात्र या नागरीकांचा भूतभूत हवक मानण्यात आला आहे. तसेच महिलांच्या यावतीतांची घटनेत सशायतमक घोरण दिलारम्भात आले वाहे. महिलांना प्राचलयात वरोबारीने संधी देणे अपेक्षित आसले तरी विविध शिक्षण अभ्यासक्रमांकरिता रिंग्यांना साधान रांगे प्राचलयात गिळता नाही. रिक्तींच्या शीकणिक उत्तीर्णातील त्याइटीने खरा प्रयत्न करणे आवश्यक आहे. त्यानुसार महिलांनंचे वलशारीकरण आणि समजांच्या सर्व क्षेत्रांमध्ये महिलांचा सक्रिय सहभाग करून राखांगोल पानंती दिलासाच्या विविध शिक्षणाच्ये सकारातमवा, परिणाम गुढवून आणण्यासाठी महिलांच्या शिक्षणकर्त्ते जाहिंदृष्टींक, राश देणे आवश्यक आहे. ही बाब विचारात येऊन शासन निर्णय दि. २२.६.१९९४ अन्वये शासनाने महिलांना शासवीच्या नोकरीमध्ये १०० टक्के जागा आरक्षित ठेवल्या आहेत. यामारील खरा हेतु साध्य अनुरूपांकरिता आला महिलांना पद्धती अभ्यासक्रमांकरिता १०० टक्के आरक्षण ठेवणे आवश्यक आहे. त्यानुसार महाराष्ट्र राज्यात पद्धती स्तरावरील सर्व अभ्यासक्रमांकरिता महिलाशाळी ३० टक्के आरक्षण ठेवण्याचाबद शासनाचा विचार होता.

शासन निर्णय:-

वरीत सर्व वस्तुस्थिती विचारात येऊन शासन आला असे आदेश देत आहे की, महाराष्ट्र राज्यातील राज्य प्राचलयांक विद्यापीठे व रेंयांना संलग्नित आसलेल्या सर्व शासकीय, भानुदानित व विनाशनुपर्यानित महाविद्यालयांतील पद्धती अभ्यासक्रमांच्या प्रवेशावरिता महिलांसाठी ३० टक्के आरक्षण ठेवण्यात येत आहे.

सदरचे आरक्षण बिनराखांव व राखांव या दोनही ग्रवारीसाठी लागू राहील. जर बिनराखांव जागा १०० असतील तर त्यापैकी ३० जागा महिलांवावरिता आरक्षित राहील.

तसेच सदरचे आरक्षण हे साध्या विविध सामाजिक, प्रवर्गांकरिता वित्तीत केलेल्या रांगिगळातमक, राखीय जागा अंतरींगी समातर आरक्षण (Horizontal) राहील. तदाहरणार्थ जासे की, साध्या सीविधानांतील तारतुदीनुसार शासनाने अनुसूचित जातीच्या प्रवर्गांतील विद्यार्थ्यांकरिता १०० टक्के जागा आरक्षित आहेत. त्यापैकी त्यातील १०० टक्के आरक्षण हे अनुरूपित जाती या प्रवर्गांतील महिला उमेदवारांकरिताचे ठेवण्यात येईल व तर या प्रवर्गांतील किंवा यात्रीतील असलेल्या महिला उमेदवार, प्राप्त न घालवास त्या जागा अनुसूचित जातीच्या प्रवर्गांतील पुरुष संवर्गांनुन भरण्यात येतील. महणजीव जर प्रवेशावरिता एकादा विद्याशाखेशाठी प्रथम यांतीलांठी १०० जागा असतील तर त्यापैकी १०० जागा अनुसूचित जातीच्या प्रवर्गांतील महिला उमेदवारांकरिता आरक्षित राहील.

यह डल्लोंगितेल्या प्रादृशीनेप इतार सर्वे प्रवर्गाकरिताही सच्चा असलेल्या आरक्षणांतर्गत मी. हे ३०टके के शामानंतरपणे आरक्षण ठेवण्यात येईल. तरेच ज्या पदवी अभ्यासक्रमाकरिता मृत्युभारीता ये या जागांचर देण्यात येतात हमा प्रवेशा नोंतरात देखाल ३०टके के आरक्षण महिलाकरिता देण्यात येईल.

सच्चा सर्वे तंत्र निवेदनानंधे पदविक्र अभ्यासक्रमासाठी महिलाकरिता शासन निर्णय झ. हक्कमुद्दीपा. १०९५/(२७६९)/व्यशि-५, दि. १७.१.१९९६ अन्याये ठेवलेल्या २० टके के आरक्षण घाउ घरन आता ते ३०टके के इतके वरण्यात येता आहे.

सदरच्चा आरद्यात जागांचर जर महिला उपेदवार उपलक्ष्य आल्या नाहीत तर या रिक्त जागा स्थाय शैक्षणिक घर्दीत पुराप संघर्षातून भरण्यात येतील या या रिक्त जागांमा सच्चा पुढील शैक्षणिक घर्दीत अनुसार धरण्या जाणार नाही.

वैद्युतिग शिक्षण विभाग आणि गृष्णि या पदग विभागांतर्गत येण्याच्चा सर्वे पदांचा वैश्याग्रक्रमांतर्गता आवैश्या संर्दृधित विभागांवरून रवतंत्रपणे निर्णीत कारण्यात येतील.

सदरच्चे व्यारक्षणविधयक ठाडेशा शैक्षणिक, चर्चे सन २००५-२००६ पासून अंगलात येतील.
महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या ठाडेशानुसार व नंदाने,

(प्र. ए. दीरसागर)
शासनाचे सहसचिव

प्रारंभ.

ठाडेशा, संप्र. विकास, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
संघातक, उच्च शिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.

संघातक, ठाडेशाप्रै. संघर्ष-विभाग, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई
संघातक, विवरणाचे शिक्षण व प्रशिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.

वरदा विवरणाचे विवरणाचे विवरण, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.

प्रैदाताचे विवरण, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.

कर्तव्यांकाचे कुलगुरु: व कुलराजित

सर्व सहसंचालक, संत्र शिक्षण / उच्च शिक्षण, विभागीय कार्यालये.

प्राचार्य, सर्व भागिरथीविभागशास्त्र विभागात यांचे संस्था (संत्र शिक्षण संचालकांमार्फत)

प्राचार्य, सर्व विद्युत मंडळविभागात (उच्च शिक्षण संघर्षविभागात)

मा. भुस्तगमके यांचे खाजगी राजिणा.

मा. मंडळ, उच्च व उंच शिक्षण यांचे खाजगी सचिव

मा. राज्यांत्री, उच्च व उंच शिक्षण यांचे खाजगी विचारक.

मा. अपर पुष्ट विभाग, उच्च व उंच शिक्षण यांचे स्वीक शहाय्यक.

मा. विभाग, शैक्षणिक विवरण यांचे स्वीक शहाय्यक.

मा. राज्यविभाग, प्रशिक्षणाचे विवरण यांचे स्वीक शहाय्यक.

मा. राज्यविभाग, विभागीय विवरण यांचे स्वीक शहाय्यक.

मा. राज्यविभाग, विभागीय विवरण यांचे स्वीक शहाय्यक.

मा. राज्यविभाग, विभागीय विवरण यांचे स्वीक शहाय्यक.

मा. इण्डियन विभाग, विभागीय विवरण यांचे स्वीक शहाय्यक.

मा. सर्वसाधारण उपविभाग, संघर्षविभाग विभाग यांचे विवरण विवरण.

संघर्षविभाग, उच्च व उंच शिक्षण विभाग, मंडळालय, मुंबई

निवार निवार, राज्यांत्री.

(८)

तंत्र शिक्षण संचालनालयाच्या अधिपत्याखालील
उच्च शिक्षणाच्या शासकीय व अशासकीय
अनुदानित संस्थांमध्ये प्रवेशासाठी केंद्र शासनाच्या
The Rights of Persons with Disabilities Act,
२०१६ च्या तरतूदीनुसार कार्यवाही करणेबाबत.

महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग

शासन निर्णय क्र. संकीर्ण-२०१८/प्र.क्र.२३१/तांशि-४

मंत्रालय विस्तार भवन, मादाम कामा मार्ग,
हुतात्मा राजगुरु चौक, मुंबई - ४०० ०३२.

दिनांक : २५ जून, २०१८

- संदर्भ :**
- १) The Rights of Persons with Disabilities Act, २०१६.
 - २) आयुक्त, अपेंग कल्याण आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे
यांचे पत्र क्र.अकआ/प्र-७/मोफतशिक्षण/क-३१(२)/२०१७-१८/२८,
दिनांक २०/६/२०१७.
 - ३) संचालक तंत्र शिक्षण यांचे पत्र क्र. २-अ/एडीएम/२०१८/४७४,
दिनांक १०/४/२०१८.

प्रस्तावना :-

केंद्र शासनाने The rights of persons with Disabilities Act, २०१६,
दिनांक २८ डिसेंबर, २०१६ रोजी राजपत्रात प्रसिद्ध केला आहे. या अधिनियमाच्या कलम
३२ मध्ये पुढीलप्रमाणे तरतूद आहे :-

- १) All Government institutions of higher education and other higher education institutions receiving aid from the Government shall reserve not less than five per cent seats for persons with benchmark disabilities.
- २) The person with benchmark disabilities shall be given an upper age relaxation of five years for admission in institutions of higher education.

केंद्र शासनाच्या या अधिनियमातील तरतूदीनुसार तंत्र शिक्षण
संचालनालयाच्या अधिपत्याखालील पदवी व पदव्युत्तर शिक्षण देणाऱ्या विविध शासकीय
व अशासकीय अनुदानित संस्थांमध्ये लक्षणीय अपेंगत्व असणाऱ्या व्यक्ती/
विद्यार्थ्यांकरीता ५ टक्के इतक्या जागा राखीव ठेवणे आवश्यक आहे.

शासन निर्णय :-

The Rights of Persons with Disabilities Act, २०१६ च्या कलम ३२ (१)
मधील तरतूदीनुसार तंत्र शिक्षण संचालनालयाच्या अधिपत्याखालील पदवी व पदव्युत्तर
शिक्षण देणाऱ्या विविध शासकीय व अशासकीय अनुदानित संस्थांमध्ये लक्षणीय अपेंगत्व

असणाऱ्या व्यक्ती/ विद्यार्थ्यांकरीता ५ टक्के इतक्या जागा राखीय ठेवण्याचा शासनाने निर्णय घेतला आहे. या निर्णयाची अंमलबजावणी शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ पासून करण्यात यावी. यासाठी विविध अभ्यासक्रमाच्या प्रवेश नियमामध्ये आवश्यक ती सुधारणा करण्यात यावी.

२. संदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करून देण्यात आला असून त्याचा सांकेतांक २०१८०६२५१८०५५६०४०८ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

Sanjay A.
Dharurkar

(संजय और धारकर)

अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

- आयुक्त, राज्य सामाईक प्रवेश परीक्षा तथा सचिव, प्रवेश नियामक प्राधिकरण, ८ वा मजला, न्यु एक्सलसिअर इमारत, ए.के.नाथक भार्ग, फोर्ट, मुंबई - ४०० ००९
 - संचालक, तंत्र शिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
 - आयुक्त, अपंग कल्याण आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे.
 - सर्व सहसंचालक, तंत्र शिक्षण, विभागीय कार्यालय.
 - कुलसचिव, सर्व अकृषी सार्वजनिक विद्यापीठे.
 - सर्व संबंधित संस्था (तंत्र शिक्षण संचालनालयामार्फत).
 - सचिव, सामाजिक न्याय व विशेष सहाय्य विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
 - निवड नस्ती/तांत्रि-४

अनाथ मुलांना खुल्या प्रवर्गातून १%
टक्का समांतर आरक्षण देणेबाबत.

महाराष्ट्र शासन

महिला व बाल विकास विभाग
शासन निर्णय क्रमांक: अमुजा-२०१७/ प्र.क्र. २१२/ का-३,
नविन प्रशासन भवन, ३ रा भजला,
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय, मुंबई-४०००३२.
दिनांक - ०२ एप्रिल, २०१८.

बाबा- शासन निर्णय, महिला व बाल विकास विभाग, क्र.संकीर्ण-२०१३/प्र.क्र.१०९/का-३,
दिनांक ०६.०६.२०१६.

प्रत्यावना:-

बाल न्याय (मुलांची काळजी व संरक्षण) अधिनियम, २०१५ अन्वये काळजी व संरक्षणाची गरज असलेल्या अनाथ, निराधार बालकांना पोलीस, स्वयंसेवी संस्था, पालक यांचेकडून बाल कल्याण समितीमार्फत बालगृहात प्रवेश दिला जातो. ० ते १८ वर्षांतील अशा मुलांना बालगृहामध्ये अन्न, घर, निवारा, आरोग्य सुविधा, शिक्षण, प्रशिक्षण इत्यादी सुविधा पुरविल्या जातात व पुनर्वसनाराती प्रयत्न केले जातात. अनाथ मुलांना त्यांचा संस्थेतील कालावधी संपल्यानंतर संस्थेच्या बाहेर पडल्यानंतर अनेक समस्यांना तोड द्यावे लागते. अनाथ मुलांची जात नक्की माहिती नसल्याने, त्यांना कोणत्या एका विशिष्ट प्रवर्गात समाविष्ट करता येत नाही. जातीचा दाखला नसल्यामुळे, त्यांना विविध शासकीय लाभापासून वंचित रहावे लागते. त्यामुळे त्यांच्या भावी आयुष्यात अनेक अडघणी निर्माण होतात. अनाथ मुलांकडे कोणतीही कागदपत्रे व पुरावे नसल्यामुळे, त्यांना जातीचे प्रमाणपत्र मिळत नाही व त्यामुळे त्यांना विविध शासकीय संबलतीपासून वंचित रहावे लागते. त्यामुळे अनाथ मुलांना राज्य शासनाच्या विविध संबलतीचा लाभ घेता यावा, याकरीता आरक्षण लागू करणेबाबतचा प्रस्ताव शासनाच्या विवाराधीन होता. त्यानुसार दिनांक १७ जानेवारी, २०१८ रोजी झालेल्या मंत्रिमंडळाच्या बैठकीत अनाथ मुलांना शिक्षण व नोकरी यामध्ये १% समांतर आरक्षण लागू करण्याचा निर्णय घेण्यात आला आहे.

शासन निर्णय:-

बाल न्याय (मुलांची काळजी व संरक्षण) अधिनियम, २०१५ अन्वये काळजी व संरक्षणाची गरज असलेल्या अनाथ, निराधार बालकांना संस्थेतून बाहेर पडल्यानंतर जातीचा दाखला नसल्यामुळे विविध शासकीय लाभापासून वंचित रहावे लागते त्यामुळे अनाथ मुलांना राज्य शासनाच्या विविध संबलतीचा लाभ घेता यावा याकरीता शिक्षण व नोकरी यामध्ये खुल्या प्रवर्गातून १% समांतर आरक्षण लागू करण्यात येत आहे. त्यासाठी खालील अटी व शर्ती निश्चित करण्यात येत आहेत-

शासन निर्णय क्रमांक अमुजा-२०११/ प्र.क. २१२/ का-३,

- १) बालगृहातील व इतर अनाथ मुलांपैकी महिला व बाल विकास विभागाकडून देण्यात येणारे अनाथ प्रमाणपत्र असणा-या मुलांसाठीच हे आरक्षण लागू राहील. ज्या मुलांच्या कागदपत्रावर कोणत्याही जातीचा उल्लेख नाही व ज्याचे आईवडील, काका-काकू, आजी-आजोबा व युलत भावंडे व इतर नातेयाईक यापैकी कोणाचावतही माहिती उपलब्ध नाही, अशा मुलांनाच अनाथ आरक्षण लागू राहील.
- २) तसेच ज्या मुलांचे आई वडिल हयात नसून त्यांचेकडे जातीचे प्रमाणपत्र नाही, अशा मुलांच्या बाबतीत त्यांनी संबंधित जिल्हा महिला व बाल विकास अधिकारी यांचेकडे अर्ज करणे आवश्यक राहील. जिल्हा महिला व बाल विकास अधिकारी यांचेकडून संबंधित जिल्हाच्या बाल कल्याण समितीकडे सदर अर्ज पाठविण्यात येईल. बाल कल्याण समितीकडून सदर अर्जाची तपासणी करण्यात येईल व आवश्यकतेनुसार पोलीस / महसूल विभागाच्या यंत्रणेकडून छानगी करून तसेच मुलाखत घेऊन अर्ज प्राप्त झाल्याच्या दिनांकापासून ४० दिवसात आपली शिफारस संबंधित विभागीय उपायुक्त, महिला व बाल विकास यांचेकडे निर्णयार्थ पाठविण्यात येईल. बाल कल्याण समितीची शिफारस विचारात घेऊन विभागीय उपायुक्त, महिला व बाल विकास यांचेकडून अनाथ प्रमाणपत्र देण्याची कार्यवाही करण्यात यावी. तसेच शिफारस अमान्य करण्यात घेऊन अनाथ प्रमाणपत्र नाकारण्यात आल्यास विभागीय उपायुक्त महिला व बाल विकास यांचेकडून कारणासहित सदर अर्ज बाल कल्याण समितीकडे परत पाठविण्यात येईल. प्रमाणपत्राच्या अनुषंगाने जर काही तक्रार असल्यास यासंदर्भात अपिलीय प्राधिकारी हे आयुक्त, महिला व बाल विकास हे राहसील.
- ३) उपरोक्त याचा मधील दिनांक ०६.०६.२०१६ च्या शासन निर्णयानुसार महिला व बाल विकास विभागामार्फत बाल न्याय (मुलांची काळजी व ज्ञानरक्षण) अधिनियमांतर्गत मान्यता प्राप्त (अनुदानित/विनाअनुदानित) संस्थामध्ये दाखल मुलांना अनाथ प्रमाणपत्र देणेबाबतची कार्यवाही विहीत करण्यात आली आहे. त्यानुसार अनाथ प्रमाणपत्र देण्याची कार्यवाही करण्यात यावी.
- ४) सदर निर्णय, शासन निर्णय लागू झाल्याच्या दिनांकापासून पुढे होणा-या सरळसेवा भरतीसाठी लागू राहील.
- ५) शासन सेवेत प्रवेशासाठी अनाथ मुलांसाठी खुल्या प्रवर्गातून १% समांतर आरक्षण गट "अ" ते "ड"च्या सर्व पदावर लागू राहील.
- ६) सदर आरक्षणाची गणना पद भरती करण्यात येणा-यांसाठी रिक्त पदावर करण्यात यावी.
- ७) संबंधित भरती वर्षात अनाथ उमेदवार उपलब्ध न झाल्यास आरक्षणाचा अनुशेष पुढे न ओढता खुल्या प्रवर्गातून गुणवत्तेनुसार इतर उमेदवारांची नियुक्ती करण्यात यावी.

आसन निर्णय क्रमांक: अमुजा-२०१९/ प्र.क्र. २१२/ का-३.

- c) त्याथप्रमाणे शिक्षणांतर्गत शिष्यवृत्ती, वस्तिगृह व व्यावसायिक शिक्षणांतर्गत शैक्षणिक शुल्क प्रतिपूर्ती योजनेमध्ये सदर आरक्षण लागू राहील.

 - १) अनाथ आरक्षण प्रमाणपत्राच्या अनुषंगाने एखाद्या मुलाची नोकरीमध्ये नियुक्ती झाल्यास त्याने सादर केलेल्या अनाथ प्रमाणपत्राची फेरतपासणी आयुक्त, महिला व बाल विकास, पुणे यांच्या मार्फत करणे आवश्यक राहील.
 - १०) अनाथ आरक्षणाबाबत करावयाच्या कार्यवाहीच्या अनुषंगाने रायिस्तर मार्गदर्शक सूचना स्वतंत्रपणे निर्गमित करण्यात येतील.
 - ११) अनाथ आरक्षणाच्या लाभाच्या अनुषंगाने काही समस्या उद्घवल्यास त्याबाबत अभिनिर्णय घेण्याचा अधिकार शासनास राहील.

संदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेताक २०१८०४०२९३०९९३०३० असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षात्कृत करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने

Sandhya
Sudhir Gawas

(संस्कृतग्रन्थ)

कार्यालय अधिकारी, महाराष्ट्र शासन,

प्रत.

१. सर्व अपर मुख्य सचिव / प्रधान सचिव / सचिव
 २. सर्व मंत्रालयीन विभाग
 ३. संचालक, माहिती व जनसंपर्क, मंत्रालय, मुंबई.
 ४. सचिव, महाराष्ट्र राज्य बाल हक्क संरक्षण आयोग, चरली, मुंबई.
 ५. आयुक्त, महिला व बाल विकास, पुणे.
 ६. सर्व उप सचिव, अवर सचिव, कक्ष अधिकारी, महिला व बाल विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
 ७. सर्व विभागीय महिला व बाल विकास अधिकारी,
 ८. सर्व जिल्हा महिला व बाल विकास अधिकारी.
 ९. निवड नस्ती / का-३

गढाराष्ट्र शासन

शिक्षण संचालनालय, (उच्च शिक्षण)

गढाराष्ट्र राज्य, गढाराष्ट्री हुमारत, पुणे ४११ ००१

Web: www.dirhe.org.in E-Mail: info@dirhe.org.in

फोन नं. ०२०/२६१२२११११, २६०५२६१२, २६१३०६२७, २६१२४६३१ फैक्टरी नं.०२० २६११११५३/२६०५१८२९

क्रमांक - युएनआय/२०१२/मा.सैनक/अविविशि-८ २०१२ ११ दिनांक ६/१२/२०१२
प्राति,

कुलसर्विव,

सर्व अवृष्टी विद्यापीठे

विषय:- राज्यातील विद्यापीठात माझी सैनिकांसाठी जागा राखुन ठेवण्याबाबत.

संदर्भ:- प्र.गि.कानडे, काळ अधिकारी यांचे डॉ. आंदियारु०१२/प्र.क्र.१८७/विशि-८,
दिनांक-१८/८/२०१२ चे पत्र.

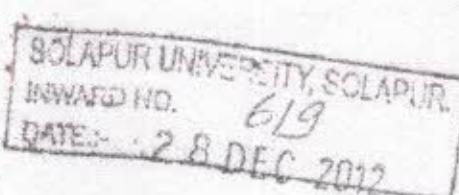
महोदय,

उपरोक्त विषयाबाबत आपणास कळविण्यात येते की, राज्यातील विद्यापीठात तसेच
महाराष्ट्रालयात माझी सैनिकांच्या मुलांसाठी जागा राखीव ठेवण्याबाबत आदेश निर्गमित करण्यात आले असून
त्याची अंमलबजाबणी करण्याबाबतही आदेश देण्यात आले आहेत. तथांप सदर शासन आदेशाची
अंमलबजाबणी योग्यागतीने होत नमान्याचे संदर्भिय पत्रान्वये कर्तव्यिष्यात आले आहे. तरी सदर
प्रकरणाबाबतची सधारितीची माहिती शासनास सादर करावी व त्याची प्रत संचालनालयास सादर वराग्यात
यादी.

शिक्षण संचालक, उच्च शिक्षण,
महाराष्ट्र राज्य, पुणे १
यांचकरिता

प्रत :- प्र.गि.कानडे, काळ अधिकारी, उच्च व संप्र.शिक्षण विभाग, मादाम कामा राड. हुतातमा राजगुरु
चौक, मुंबई-३८, याना उपराज्य भांडभांडन प्रभान्वये माहितीस्तव सादर.

०८ नव्हे
२०१२
११/१२



महाराष्ट्र शासन

(६)

क्र. ओऱिंगमु २०१२ / प्रक. १८७ / विवरण - ३
उच्च व तीव्र शिक्षण विभाग,
मादाप्र विद्यालय, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय, मुंबई - ३२
दिनांक :- १६ ऑगस्ट, २०१२

प्रति,

बृलसांचिव,

सर्व अकृपी विद्यापीठे,

विषय :- राज्यातील विद्यापीठात माजी संनिकांसाठी जागा राखीय ठेवण्याबाबत
टेवण्याबाबत.

महोदय,

राज्यातील विद्यापीठात तसेच महाविद्यालयात माजी संनिकांच्या मुलांसाठी जागा राखीय ठेवण्याबाबत
आदेश निर्गमित करण्यात आले असून त्याची अंमलबजावणी करण्याबाबतही आदेश देण्यात आले आहेत.
(प्रती सोबत जोडल्या आहे) तथापी सदर शासन आदेशांची अंमलबजावणी निटपणे होत नसल्याचे निदर्शनास
आले आहे. यास्तव आपणास याबारे विनंती करण्यात येते की, सदर आदेशांची विद्यापीठात तसेच संलग्नात
महाविद्यालयांमध्ये काटेकोरपणे अंमलबजावणी करण्यात येईल याची दक्षता घेण्यात याची.

आपला,

(प्र. गि. कानडे)

कक्ष अधिकारी

प्रत.

संचालक, उच्च शिक्षण, पुणे यांना आवश्यकत्या कायद्याहीसाठी अप्रेपित.

918609
P.W. Admin
M.T.O
9/10

| |
|-----------------------------|
| SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR |
| INWARD NO. 316 |
| DATE - 31 AUG 2012 |

प्राचीनक आदर्शग - महार्जी बैनिक कल्पाण
वा नया वर्का महाविद्यालय, टेक्नोकाल, टेक्नोलॉजीकाल,
टेक्नोटीक, कस्टो-चुपिंग, अध्यापक महाविद्यालय

- भाद्रवाच्याम्

त्रिव्यु घर राजपूतनगर
भाग्यन परिपत्रक झ. माहिनी - २००६ (३४ / १०६) माहिनी
मत्रालय वित्तान भवन, अस्सी - २
प्रिन्टर्स : डॉ. एस. एस.

- संख्या- १) शासन नियम, रिहायद संघीय ग्रन्ति विभाग, क्र. टी.पी.एम.
१८८४/(३२/८४) ग्रन्ति ४ अ. २८ जून, १८८४।
२) शासन नियम, उच्च संविधान सभा विभाग, क्र. आप्पोलोग
१००२/इ.प्र. ५८/व्यापार ग्रन्ति निल. २००३।
३) शासन नियम, रिहायद संघीय ग्रन्ति विभाग इत्यर्थक
२१९३/(५०६३) ग्रन्ति १ अ. २५ जून, १८८३।

सदा अहंकारात्मा आपणांने पुढी एकदा निश्चयात यापूर्वात चेते मी. राज्यातील आजी! माझी सैनिकांच्या बंद्याणार्थ शासन विधिपूर्वी योव्हाना रागीत डागुने. त्यांनो भाषी दीनिकृ युद्धविधिपूर्वी यांनी सैनिकांच्या विधय/ माझी सैनिकांचे डबलेपिलाच्या साफानिन, आर्टिलरी व इंजिनिअर्स द्वारा उंचायण्यासाठी शासन काढिविध आहे यापूर्वी याजी/ याजी सैनिकांच्या मुलांना झाला! / मौलेन यामधून डबलेपिलाच्या साठी शासनामे विहीत केल्यानुसार यांना राज्यीक देशप्रती येद्यून तर्या फूटत संभवित ठेंडीवारांमध्यांत झाल्यात आला. “हेर जाणा दृष्टर प्रकारातून भरल्याचा जागू नवेत. ये संवादांनना आदेशाची दांगलशाळावधीपी योरेन्टेन्हेशन व विश्वासी वडक करवाई थरवण्हत याजी. प्राचेव रैशिनिक वर्षपाचा म्हीरा इतरीयेवेळी चंद्रीपूर्व जुळा दैनिक काळांना अंदाजारी, माझी/याजी सैनिकांच्या पालाविच्या निषिक प्रवेशाचा आठावा येतील रुद्यावेळी त्र्यांमध्ये चांदेपूर्व वडकाव करण्याचा सुखात राखे दैनिकियांना देवगत यावत.

हे शासन प्रतिपदक महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या वेबसाईटवर उपलब्ध करण्यात आला असून त्वाचा संपादक राकेतीक नं. 20070910-245001 लागू आहे.

卷之三

(नि. न. शोभा)

संघर्षण संघातक, उच्च रिक्षाप, महाराष्ट्र राज्य, पुणे
विधान संघातक, महाराष्ट्र उच्च दुपोषण
संघातक, हैंडिशिवाण महाराष्ट्र राज्य, पुणे

महाराष्ट्रातील निकारीठाच्या कोणत्याही गांव
पुराण ३० टक्के जागा राणु ठेवावाला.

ग्राम,

महाराष्ट्र राज्य
निकार य संसद, पोखर, पिंडारी,
मुंबई ४०००३२

मो. सुरेश कर्म अधिकारी
स्टो. फू. डि. (ग. फू. डि.) क्रमांक १३ जून, १९८५.

पुराण



- चाचारी अनंदाम पुराण निकाराच्या आवाहीत रूपात पुराणे शाळाची
निकारपे. महाराष्ट्रातील तर्व निकारीठाची तर्व शाळांमध्ये
पुरेश देण्याचाचा गासत निश्चय, तिथीला य गासत फल्याण निकारण करा
टी. टी. पा. / २७१/३०५८६/२८८८ दिनांक ३१ मी. १९७४ गोप टी. टी. पा.
४४/१८३/८५ गा. टा. २८ जून १९८४ निकाराची निकारित घरेण्यात आली
आहे. रूपात पुराणे महाराष्ट्रातील एवजी निकाराची निकारित घरेण्यात
तर्व शाळांमध्ये पुरेश देण्यार्थीता गासतवाने वैज्ञानिकी निकारित केली आ
२. महाराष्ट्राच्या लालाची गासतवाने निकारित घरेण्यांना निकाराच्या
आधारावर तंत्रजित निकारीठाचे स्थानेवढवणे निकाराची निकारित घरेण्यी आहे.
३. महाराष्ट्र गासतवाने अक्षय गोपात्याक वाच महाराष्ट्र आजी य गावी
[[डिफेल्स परिवार]] गोप वामी, नेव्ही य रुग्न कोर्ट गर्फिन फायारी, निर्मित
उपायात, देण्युद्देश, घरेण्याची य सेनिकांना तिथीप रूपांच्या मुलांना पुढील इतर
निकारात अ निकाराची गोप निकारीठाच्या तर्व शाळांमध्ये १९८५-८६
पर्याप्त उपायातुन दाखल राणु ठेवन रसायनप्रभावे रुपा रायीत जागतक
आजी य गावी [[डिफेल्स परिवार]] वामी, नेव्ही, रुग्न कोर्ट गर्फिन फायारी
उपायात, देण्युद्देश, घरेण्याची य सेनिकांना गोप रूपांच्या मुलांना पुरेश पापेत
गावा वैज्ञानिकी घेण्या आहे.

आजी य मागवी [[डिफेल्स परिवार]] गोप आमी, नेव्ही य व्हार नाही
मर्यादा कायाची, निर्मित, निकार, देण्युद्देश, घरेण्याची तर्व शाळांमध्ये
पुरेश देण्याची निकारीठाची गोप या आजी य गावी [[डिफेल्स परिवार]] निकारीठाची गोप रूपांच्या मुलांना पुरेश पापेत गावा वैज्ञानिकी घेण्या आहे.

:- 2 :-

राष्ट्रीय जागरूकी इंटरेंट द्वारा जागरूकी कारत नसाच्यात्.

४. विधानपे, महाराष्ट्रपे गोव विधानीनाहे शुरु विमान एव घासेने आहेत या नस्याने प्रवेश देणे आता विहित नियमाखनी प्रमाणे शब्द नाही तरी देखील सर खात द्वाव मध्यून हुतानुसार शत्र्येक विपात्यात, महाराष्ट्रात तरोय विणारीनाच्या प्रत्येक विमानामध्ये गर खादा विपात्याना रचरीत प्रवेश घावेत असी विनंती तंबंधित प्रायार्थना, विळग उपतंगालकांनी रचरीत करावी. सदर पाटीय ईमतेका विधानीनांकडून मान्यता विनापी मध्यून प्राप्तेक विधानीठाकडे गाळनाताफे त्वात्संपर्के प्रत्यावरणात आवेले आहेत.

या पाटीय जांगांताठी, संबंधीत महाराष्ट्रात अपिक शिक्षक घर या खादा अनुदान मंजूरी करता येणार नाही. उपतंग विळग घरांवरता या विकाश्याना प्राप्तिष्ठित देण्याची बङ्गाखदारी रोमकिंभूत याची.

५. प्रत्येक जिल्हा विळग अधिकारीकर अधिकारीना विधानीय विळग उपतंगालकांनी या खाद्यत योग्य ती कारवाई अस्य केलेल्या कारवाईचा गवाचाल गाळनाता रचरीत सादर करावा, विहित नियमांकी प्रधीन तुलावा आयोग करण्याचाचत त्वात्संपर्के उद्देश्य करण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राये राज्यपाल गांधी आदेशानुसारे या भांयातो.

राष्ट्रीय - अभ्यासक्रम

विधानसभा

महाराष्ट्र राज्य

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

उपरोक्त शासन परिषद्वक विमान प्रमुख (विधानीठाके विविध विधिविनाय) तसेव प्राप्ताऱ्ये संसदात उक्त कांडीका महाविद्यालये/विळग संस्था यांना एहिसीसाठी या योग्य त्वा कारवाईसाठी प्रकलिप्यात येत आहे.

तसेव या महाविद्यालयांच्या संलग्नी एकांशेका जारत महाविद्यालये क्रमसर्तील ता. महाविद्यालयांनी उद्देश्ये शासन परिषद्वक संस्थेवाही निर्दर्शनासु अंतावे.

उपकृतमस्तित
७३८

દૃષ્ટાત્રી 028-66262629
સાચિવ રામલિલાલ કેમ્પલાન્ડ એન્ડ

www.wunderbar.de

ફોર્મનંબર : 181/6/20 રા માનેજરિંગ એસે

४०८

ગિરાજો વિદ્યાપાંઠ કાંચાપર
(માણગણ ગાંધી રખવે વિદ્યાપાંઠ)

प्रिया, शोधाचिप अन्यासामांसादे आजी-माजी सौनवात्तु पात्थासाठी जागा राहण्ये देयण्यावून.

५. यह विद्यालयीन सम संस्थान बनाए रखा जाएगा।

२. भारतीय सामग्री, वर्षाकारी-१०५४/५.व. १३५५४६। दिनांक २५ जुलाई १९५४।

2. उग्रजन विषयां संदर्भीय शब्दन परिषद् व आयत विषयात्मक वस्तुतानामा विस्तृप्त शब्दोपचयमात्रा प्रवक्ष्यात्ते भवत्यापेत् आग्रो-भाजे संस्कारेण यान्त्रिका चागु अपराह्न दृष्टान्त आपत्

३ अनुग्रहान आपण्हरा कल्पितायान घेत वी. डाम्हऱ्या विलासिताचा अधीक्षयाचार्यांनी सर्व मर्गावलाक्ष्यांमध्ये (आंगिकात्रिकी मार्गावलाक्ष्य, देशीवर्ग, देशांतर्गत, प्राणीवर्गांद, वना, दाण्डां या अध्यात्म ग्रहणावलय, सर्व अभ्यासकाळ्या प्रवेश प्रविष्ट्यांमध्ये आजी-याजी दोन-त्रितीया ग्रहणावलयात वाच्य देशवान येण्या)

४. तासद्वयं गोदभर्षीष शायमन निर्मलपात्राचालु महानुदानसार शोधाणक दर्शे १०५१-१०५२ या सालान द्वारा उत्तीर्ण क्षेत्रां पांचालाम भाजी भैरवनाथाचा पाल्याचारा राष्ट्रीय ठेकावात आवासाचा जागीर प्रदेश देश घटाले भाजी गोदभर्षीष शायमाचारे गोदभर्षीष जिल्हा भैरवनाथाचा फल्याण कार्यालयाकडून देण्यात आलेले "भाजी संनिवय पाल्य असाल्याधाराचत्रे प्रभाणपत्र" असाल्याधाराचाय प्रदेश देण्यात घेऊ नाही तरीव राष्ट्र फेलेल्या फ्राग्मणप्रश्नावात घेऊ शक्तो उपस्थित इसाल्यासार प्रभाणपत्राचा गोपनीयाचारा उत्तीर्ण द्वारा उत्तीर्ण गोदभर्षीष जिल्हा भैरवनाथाचा फल्याण कार्यालयाकडून घराणे देण्यात आला.

‘. उपराजन विद्यार्थी आपल्यो इन्सेक्ट्सन आदेश निंगंधाळे वारगी याचम आपापास घिनेत्र॑ खाऱण्यात येत आहे. (आविष्क मार्गावांसाठी पुढे विद्यार्थ्यांनी बोलतेच्या वर्तवाणीचं पात्र संदर्भ घेऊन आहे.)’

ज्योतिषः वर्गलङ्घातः

ਗੁਰਪੰਨ ਦ. ਸਿੰਘ,
ਚੰਨੌਰ (ਨਿਧੂਨ)
ਤਾਲਮ ਗਾਲਬ (ਪ੍ਰਵਾਸੀ)
ਸੰਚਾਲਕ ਪ੍ਰਕਾਸ਼

(१४७)

उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभागाच्या
अधिपत्याखालील सर्व शैक्षणिक संस्थांमधून माणास
प्रवर्गाकरिता राखीव जागा ठेवण्याबाबत.

महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग,
शासन शुद्धिपत्र क्रमांक : युएसजी-१४९३/(२४२८)/विशि-४,
मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई-४०० ०३२.
दिनांक : ७ फेब्रुवारी, १९९६.

- वाचा : १) शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. युएसजी-१४९३/२४२८/विशि-४, दि. २३ जून, १९९४ व समक्रमांकित शुद्धिपत्रक दिनांक -१२ जूलै, १९९४.
 २) शासन निर्णय, समाजकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व फळीडा विभाग, क्रमांक- सीबीसी-१४९४/प्र.क्र. २३६/मावक-५, दि. १३ जून, १९९५ व समक्रमांकित शुद्धिपत्रक दिनांक १५ जून, १९९५.
 ३) शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी-१०९४/प्र.क्र. ६८/१४/१६-४, दिनांक १५ जून, १९९५.
 ४) शासन निर्णय, क्रमांक - युएसजी-१४९३/(२४२८)/विशि-४ दिनांक २२ जून, १९९५.

शासन शुद्धिपत्र : - शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्रमांक युएसजी-१४९३/(२४२८)/विशि-४, दि. २२ जून, १९९५ च्या परिच्छेद ४ व ५ मध्ये खालीलप्रमाणे सुधारणा करण्यात येत आहेत -

२. परिच्छेद - ४ : सदर आरक्षण प्रत्येक संस्थेनव्ये अभ्यासक्रम निहाय असेल आणि ते मुक्त आणि मुल्याधारित जागीकरिता त्यांच्या त्यांच्या प्रमाणात असेल.

तंत्रशिक्षण विभाग वगळता इतर शैक्षणिक विभागांतर्गत येणाऱ्या बिगर राखीव जागा या प्रथमत: भरण्यात याव्यात. यामध्ये गुणवत्तेनुसार असणाऱ्या माणासवर्णीय विद्यार्थ्यांचा देखील समावेश अराखीव उमेदवार म्हणून असेल. या विद्यार्थ्यांचा समावेश आरक्षणामध्ये करण्यात येऊ नये. यासाठी विद्यार्थ्यांनी आपला प्रवेश अराखीव म्हणून समजण्यासाठी पसंती कळविण्याचा प्रश्न उद्भवत नाही. उर्वरित जागा आरक्षणानुसार भरण्यात याव्यात असे करताना शैक्षणिक संस्थांमध्ये माणासवर्णीय विद्यार्थ्यांचे प्रमाण ५२ टक्केपेक्षा अधिक झाले तर त्यास कोणतीही हरकत नाही.

परिच्छेद-५ मध्यील "मात्र बदलाबदलीने इतर प्रवर्गातीन/पासून ५२% पेक्षा अधिक असणार नाही" हे शेवटचे वाक्य पूर्णतः याव्यात यावे.

४. हे शुद्धिपत्रक सामान्य प्रशासन विभागाच्या संमतीने निर्गमित करण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार या नावाने.

अ. मा. भद्रलवार

अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रत -

सर्व अकृषि विद्यार्थींचे कुलगुरु
सर्व अकृषि विद्यार्थींचे कुलसचिव.

विमुक्त जाती, भटवडा जमाती, इतर मागासवर्ग व
विशेष मागासप्रवर्गाना लागू करण्यात आलेल्या प्रगत च
उन्नत गटाचे तत्वाच्या (नॉन क्रिमीलेअर) अनुपंगाने
जाती दाखले देण्याचे नमुन्यात यदल करणेवाचत

महाराष्ट्र शासन

सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक कार्य व विशेष सहाय्य विभाग,
शासन परिषद्रक क्रमांक : सीदीसी-१०/२००६/प्र.क्र. १५/मावक-५

मंत्रालय विरत्तार भवन, मुंबई-३२

दिनांक : ३० जून, २००६

वाचा,

१. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन वि. क्रमांक : दीर्घीसी-१०९३/२९६७/ सीआर-१४१/९३/५१
व दिनांक २३ मार्च, १९९४.
२. शासन निर्णय स.क. सां.का. व क्री. विभाग क्रमांक : सीदीसी १०९४/प्र.क्र.८६/मावक-५,
दिनांक १६ जून, १९९४ व दि. २२ जून, १९९४
३. शा.नि. सामान्य प्रशासन विभाग क्र. दीर्घीसी-१०९४/प्र.क्र.६८/१४/१६-व, दिनांक १५ जून,
१९९५
४. शा.नि.स.क.,सां.का. व क्री. विभाग क्र. सीदीसी-१०९४/प्र.क्र.८६/मावक -५, दिनांक ५
जून, १९९७
५. शा.नि.सा.न्या.सां.का. क्री व वि.स. विभाग क्र. सीदीसी-१०/२००१/प्र.क्र.१२०/ मावक-५
दिनांक १ नोव्हेंबर, २००१
६. शा.नि.सा.न्या.सां.का. वि. वि. स. विभाग क्र. सीदीसी-१०/२००१/प्र.क्र.१११/ मावक-५
दिनांक २९ मे, २००३
७. शा.नि.सा.न्या.सां.का. व वि.स. विभाग क्र. सीदीसी-१०/२००६/प्र.क्र.१५/ मावक-५ दिनांक ५
जून, २००६

प्रस्तावना :

सामान्य प्रशासन विभाग, दिनांक २३ मार्च, १९९४ च्या शासन निर्णयानुसार केवळ भटवडा
जमाती (क), भटवडा जमाती (ठ) आणि इतर मागासवर्गाना उन्नत व प्रगत गटांचे (क्रिमीलेअरचे) तत्त्व
लागू केलेले आहे. अंत यांच्या साठी अरक्षण अधिनियम-२००१ मधील कलम
चार पोट कलम २(दोन) च्या परंतुका अन्वये उन्नत व प्रगत गटांचे (क्रिमीलेअरचे) तत्त्व अनुसूचित जाती

१. अनुसूचित जमाती काढून विरोधाभिहार याची (ज) (विमुक्त जाती-अ), भटवड्या जमाती (य), भटवड्या जमाती (क), भटवड्या जमाती (ह) त्यांच्याकर इतर मागासर्वां आणि विशेष मागासप्रवर्ग द्वा मागास प्रवर्गाना लागू करण्याची नव्याद गाई आणि रात्रे तसेहून विधानसभेत व प्रगत गटात (लिंगालखण्ड) तसेह लागू करण्यासवर्धी खालीलवर्गाण गृहांमा देप्याल येत आहेत.

शासन परिपत्रक :

अंतर्काळ अधिनियम ३०२५ हा अंतर्नियम जमातीत आणल्याच्या दिनांक २९ जानेवारी, २००६ पासून अनुसूचित जमाती व अनुसूचित जमाती काढून विरोधाभिहार याची, विमुक्त जाती-अ) भटवड्या जमाती (य), भटवड्या जमाती (क), भटवड्या जमाती (ह) इतर मागासर्वां आणि विशेष मागासप्रवर्ग यांना उन्नत व प्रगत गटात (किमीलेअरच्य) तत्त्व लागू करण्यात येत आहे.

२. पदोन्नती काढता ज्या ज्या प्रयोजनाकरिता अंतरशणावे आदेश लागू करण्यात आलेले आहेत, त्या त्या राही प्रयोजनाकरिता किमीलेअरच्ये तत्त्व लागू राहील व त्याप्रमाणे प्रमाणपत्र सादर करणे आवश्यक राहील
३. उन्नत व प्रगत गटात (किमीलेअरच्य) मार्गदर्शक तत्वास्टर्भात सामान्य प्रथाशासन विभगाने व विद्युत उत्पन्न भटवड्यांपर्यंत या विभागान वेळेवेळी काढलेल आदेश विचारात दृष्ट्यात यावेत
४. रस्तभार्धीन शासन निर्णय क्रमांक ५६ जून, १९९४ मधील मुद्दा क्रमांक ४ साली, 'हे आदेश भटवड्या जमाती (क), घनेवर य तत्सम जाती, भटवड्या जमाती (ह) यांची व तत्सम जाती आणि इतर मागासर्वां यांना लागू राहील' हा परिच्छेद वगळण्यात येत आहे. दिनांक १ नोव्हेंबर, २००९ च्या शासन निर्णय परिशिष्ट 'क', 'ड' व 'इ' नमुंने रद्द समजण्यात यावेत.
५. अनुसूचित जाती व अनुसूचित जमाती साढून विमुक्त जती, भटवड्या जमाती, इतर मागासर्वां व विशेष मागासप्रवर्ग यांना उन्नत व प्रगत गटात (तत्वानुसार प्रमाणपत्राचा नंमुना परिशिष्ट 'क' प्रवाणे याचील नथापि, फक्त जाती प्रमाणपत्राची मुगाणी केल्यास त्या उपदेशाशासन परिशिष्ट 'ह' प्रमाण यांतीवे प्रमाणपत्र दण्डात यावेत.
६. या विभागाच्या उथकमात्रिक दिनांक ५ जून, २००६, यजी निर्मित केलेले शासन परिपत्रक रद्द करण्यात येत आहे.

हे शासन निर्णय सामान्य प्रशासन विभागाच्या संहेतीने निर्मित करण्यात येत आहे. तसी रद्द अवधित प्राधिकाऱ्यांनी वरील सूचना नव्यांनी अंमलात अंपांच्यात.

संदर्भ शासनपरिपत्रक मन्त्रालयांनी शासनाच्या वदवर्षांद्वारा उपलब्ध घरेल्यात आल असून त्याचा संगणक यांताक २००६००७०५२२४४८० असा आहे.

महाराष्ट्र राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार य नीवाने

(वलदेय घंट)

प्रधान नांदव, मन्त्रालय शासन

प्रति,

सर्व विभागीय आयुष्टत,
 प्रवर्त्तक, सचिव न्यायालय, मूळ शास्त्रा/अपील शास्त्रा, मुंबई (पंत्राने)
 संचालक, समाज कार्यकारी, संचालनालय महाराष्ट्र राज्य, पुणे
 राजवापाल यांचे सचिव,
 ना मुख्यमंत्री यांचे प्रधान सचिव,
 तथा मुख्यमंत्रीये सचिव,
 सर्व मंत्री / राजवर्ती यांचे खाजगी सचिव
 मुख्य सचिव / अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव / राजद,
 सर्व मंत्रालयीन विभाग
 सर्व विभागीय आयुष्टत,
 सर्व जिल्हाधिकारी,
 सर्व जिल्हा एकिपांच मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 सर्व जिल्हा न्यायालये
 *प्रवंधक, उच्च न्यायालय, मूळ शास्त्रा, मुंबई
 *प्रवंधक, उच्च न्यायालय, अपील शास्त्रा, मुंबई
 *प्रवंधक, लोकआयुक्त व उप लोक-आयुष्टत यांचे कार्यालय, मुंबई
 *उद्यक, महाराष्ट्र प्रशासकीय न्यायाधिकरण, मुंबई, नागपूर.
 *संचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई
 उप संचालक, अनुसूचित जाती / जमाती आयोग, भारत सरकार
 मार्ग, तांबे पेठ, पुणे-४११ ०३०
 महासंचालक, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र राज्य
 संचालक, समाजकल्याण, पुणे
 संचालक, सेवायोजन, मुंबई,
 आयुष्टत, आदिवासी विकास, नाशिक
 आयुष्टत, आदिवासी संशोधन व प्रशिक्षण संस्था, पुणे
 सहाय्यक आयुष्टत (मागासवर्ग कक्ष), सर्व विभागीय आयुष्टतांची कार्यालये,
 महालेखापाल, महाराष्ट्र १/२ (लेखा व अनुज्ञेयता), मुंबई/नागपूर,
 महालेखापाल, महाराष्ट्र १/२ (लेखा परीक्षा), मुंबई/नागपूर,
 अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई,
 सर्व मंत्रालयीन विभागाच्या अधिपत्त्याखालील विभाग प्रमुख व कार्यालय प्रमुख,
 सामान्य प्रशासन विभागातील सर्व कार्यासने,
 निवंडनस्ती,
 *पंत्राने.

(१४८)

संवेदनानिक आरक्षण ५० टक्कयापेक्षा जास्त होत; न
टैग्यावायत.

महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग,

शासन निर्णय क्र. टीईएम ३३९७/१२९२६/(१०८६)/तांशि-१

मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई-४०० ०३२.

दिनांक : ११ जुलै, १९९७.

- संदर्भ :**
- १) शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. युएसजी १४९३/२४२८/विशि-४, दि. २३ जून, १९९४ व समक्रमांकित शुद्धिपत्रक दि. जुलै, १९९४.
 - २) शासन निर्णय, सामाजिकल्याण, सांस्कृतिक कार्य व किळा विभाग क्र. बीसीसी/१४९४/प्र.क्र. २३६/मार्च-५, दि. १३ जून, १९९५ व समग्रमांकित शुद्धिपत्रक दि. १५ जून, १९९५.
 - ३) शासन निर्णय, क्र. सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी १०९४/प्र. क्र. ६८/१४/१६-ब, दि. १५ जून, १९९५ व शुद्धिपत्रक दि. २१ मार्च, १९९६.
 - ४) शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. युएसजी १४९३/२४२८/विशि-४, दि. २२ जून, १९९५.
 - ५) अतिरिक्त सरकारी वरील, मुंबई उच्च न्यायालय, मुंबई यांचे पत्र क्र. एडीठोएल/डब्ल्यूपी/एसएसजी दि. १०-७-१९९७.

प्रस्तावना :

शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी १०९३/१६७/सीआर-१४१/४९/१३/१६-ब, दि. २३ मार्च, १९९४ अन्वये विविध मागास प्रवर्गसाठी एकूण ५० टक्के आरक्षण विहित करण्यात आले होते. नंतर सामाजिकदृष्ट्या व शैक्षणिकदृष्ट्या मागासलेल्या काही जातीच्या विकासासाठी काही संवलती व उपाययोजना करणे आवश्यक असल्यामुळे शासन निर्णय सामान्य प्रशासन विभाग क्र. बीसीसी/१०९४/प्र. क्र. ६८/१४/१६-ब, दि. ८ डिसेंबर, १९९४ चे परिशिष्ट अ गट्ये नमूद केलेल्या जातीसाठी एक रचतंत्र विशेष मागास प्रवर्ग असे संबोधण्यात येऊन त्यांच्यासाठी २ (दोन) टक्के आरक्षण ठेवण्यात आले होते. तसेच या प्रवर्गसाठी क्रिमिलीयरवे तत्व लगू नाही हेही स्पष्ट करण्यात आले होते.

दि. ८ डिसेंबर, १९९४ च्या सामान्य प्रशासन विभागाच्या शासन आदेशास अनुसरून उच्च व तंत्रशिक्षण विभागाने विशेष मागास प्रवर्गसाठी २ टक्के आरक्षण ठेवून शासन निर्णय क्र. युएसजी १४९३/(२४२८)/विशि-४, दि. २२ जून, १९९५ अन्वये विविध आरक्षणावाबत आदेश निर्गमित केले आहेत. सुदर निर्णयाद्वारे विशेष मागास प्रवर्गसाठी २ टक्के आरक्षणाची त्रुतूद करण्यात आली असून एकूण आरक्षण ५२ टक्के विहित केले आहे. भारतीय संविधान अनुच्छेद १४ तसेच १६ अन्वये सर्व प्रवर्गांतील घटकाना समानता व समान संघी मिळाली म्हणून मा. सर्वोच्च न्यायालयाने १९९३ साली मागासवर्गीय प्रवर्गसाठी आरक्षण ५० टक्कयापेक्षा जास्त असूनेये असा निवाडा दिला आहे.

रिट यांविका क्र. २९८९/१९९७, श्री. पांडुरंग एस. पंखाले विशेष महाराष्ट्र शासन व इतर, या प्रकरणी सुनावणी सुन असताना मा. उच्च न्यायालयाच्या मुंबई खंडपीठाने अभियोगिती पदवी अभ्यासक्रमाच्या १९९७-९८ या शैक्षणिक दर्शाच्या प्रवेश नियमावलीत संवेदनानिक आरक्षणासाठी कैलेली ५२ टक्के जागांची त्रुतूद मा. सर्वोच्च न्यायालयाने इंद्रा सौहनी विरुद्ध केंद्र या प्रकरणी १९९३ साली दिलेल्या निवाडानुसार नसल्यामुळे कायदेशीर नसल्याचे शासनाचे निवाडास खाणून दिले आहे. (संदर्भ १९९३ मा. सर्वोच्च न्यायालय ए. आर. पू. क्र. ४७७, शीर्ष टिप्पणी (डब्ल्यू) प्रवेश नियमावलीतील

(१४९)

राज्य शासनाने संवैधानिक आरक्षणासाठी केलेली ५२ टक्के जागांची तरतुद ही मा. राबोळ्य न्यायालयाचा अवमान ठरू शकते असेही मा. उच्च न्यायालयाने रप्प्ट केले आहे. यावर संवैधानिक आरक्षणांचे प्रभाण ५२ टक्क्यावरून ५० टक्के करण्याबाबतचे आदेश तात्काळ निर्गमित करण्यात येतील असे शासनातके प्रतिपादन केल्यानंतर मा. उच्च न्यायालयाने समाधान व्यवस्था केले असून उपरोक्त संदर्भात शासन आता खालीलप्रमाणे आदेश देत आहे.

शासन निर्णय :

शासन आता या शासन निर्णयाद्वारे असे आदेश देत आहे की, उच्च व तंत्रशिक्षण विभागाच्या अधिपत्याखाली येत असलेल्या सर्व शैक्षणिक संस्थांतील अभ्यासक्रमांच्या प्रवेशासाठी या विभागाने निर्गमित केलेल्या शासन निर्णय क्र. युएसजी १४१३/(२४२८)/विशि-४, दि. २२ जून, १९९५ अन्वये विशेष मागास प्रवर्गाकरिता राखून ठेवण्यात आलेल्या २ टक्के जागांचे आरक्षणाबाबत पुढील आदेशापर्यंत खालीलप्रमाणे कार्यवाही करण्यात येत आहे. हे आदेश १९९७-९८ या शैक्षणिक वर्षापासून लागू करण्यात येत असून तात्काळ अंभलाल येतील व उच्च व तंत्रशिक्षण विभागांतर्गत शैक्षणिक संस्थांतील सर्व विद्या शाखांतील अभ्यासक्रमांच्या प्रवेशासाठी लागू राहील.

१. विशेष मागास प्रवर्गात ज्या जाती आहेत त्यांपैकी काही जाती इतर मागासवर्गांमध्ये समाविष्ट होत्या. त्यामुळे सुरुवातीस विशेष मागास प्रवर्गाचे प्रमाणपत्र धारक उमेदवारांची जात ज्या मागास प्रवर्गांमध्ये समाविष्ट होती. त्या मागास प्रवर्गाच्या आरक्षणासाठी पात्र सनजण्यात याची.
२. भारतीय संविधानुसार मंडळ आयोगाने केलेल्या शिक्कारशीनुसार शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. टीईएम १०२४/(६३०३) तांशि-१, दि. ३ जून, १९९४ मधील परिच्छेद क्र. ४ मध्ये विहित केल्याप्रमाणे एकूण ५० टक्के जागा आरक्षित करण्यात याव्यात. सदर आरक्षण प्रत्येक संस्थेमध्ये अभ्यासक्रम निहाय राहील. मुक्ता (मेरीट सीट्स) तसेच मूल्यभारित (पेनेट सीट्स) जागांकरिता त्यांच्या त्यांच्या प्रभाणात असावे.
३. गुणवत्ता यादीनुसार प्रवेश प्रक्रिया कैल्यानंतर जर कोणत्याही मागासवर्गांय प्रवर्गासाठी आरक्षित असलेल्या जागांपैकी काही जागा रिक्त राहिल्या तर त्या जागेवर एकूण प्रांगंश क्षमतेच्या जास्तीत जास्ता २ टक्के पर्यंत प्रवेशासाठी विशेष मागास प्रवर्गांय उमेदवारांना प्रवेशासाठी प्राधान्य देण्यात यावे.
४. रिक्त जागांवर विशेष मागास प्रवर्गातील उमेदवाराना कमाल २ टक्के जागांवर प्रवेश दिल्यानंतर जर जागा रिक्त राहिल्या तर त्या जागा इतर सर्व मागासवर्गांय प्रवर्गातील उमेदवारांची गुणवत्तेनुसार सारांसळ करून भरण्यात याव्यात.
५. शासन यापुढे असेही आदेश देत आहे की, १९९७-९८ या शैक्षणिक वर्षासाठी ज्या अभ्यासक्रमांची प्रवेश प्रक्रिया सुरु झाली असेल व दि. ९-७-१९९७ रोजी किंवा तत्पूर्वी या विभागाच्या दि. २२ जून, १९९५ च्या शासन निर्णयानुसार प्रवेश देण्यात आले असतील तर त्याबाबत पुढील कार्यवाही करण्यात यावी.
६. विशेष मागासवर्ग प्रवर्गातील करण्यात आलेल्या प्रवेशास वाधान आणता पुढील प्रवेश प्रक्रियेत काही कारणासतव होणाऱ्या रिक्त जागांवर ५० टक्के आरक्षित जागा जुळवून घ्याव्यात.
७. संवैधानिक आरक्षण कुठल्याही परिस्थितीत ५० टक्क्यापेक्षा जास्ते होणार नाही याची दक्षता घ्यावी. महाराष्ट्राचे राज्यपाल योच्या आदेशानुसार व नावाने,

प्रति -

कुलसंघ, सर्व विद्यापीठ, महाराष्ट्र राज्य.

ओ. शि. विहाडे

शासनाचे सहसंघ



शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

विशेष कक्ष विद्यापीठ प्रशासन व पदव्युत्तर अधिविभाग स्थायी समितीच्या उपसभिती बैठकीचा कार्यवृत्तात

मा. अधिविभागप्रमुख, संख्याशास्त्र अधिविभाग यांच्या दि. २९/६/२०१८ रोजीच्या प्रवास अनुसरून व सर्वे अधिविभागाच्या शीकणिक वर्ष २०१८-१९ मधील विद्यार्थ्यांच्या गुणवत्ता यादीमधील समांतर आरक्षण विषयक कार्यवाही करणेमाठी विशेष कक्ष विद्यापीठ स्थायी समितीच्या उपसभितीची बैठक शुक्रवार दिनांक २९ जून २०१८ रोजी विद्यापीठ कार्यालयामध्ये दुपारी ४.३० वाजता आयोजित केली होती.

सदर बैठकीसाठी उपस्थितीतीचा अहवाल खालीलप्रमाणे —

- | | |
|---------------------------------------|--------------|
| १) डॉ. एस. डी. शिंदे, भुगोल अधिविभाग | — अध्यक्ष |
| २) डॉ. ए. एम. सरवटे, इंग्रजी अधिविभाग | — सदस्य |
| ३) श्रीमती एन. डी. पाटील | — सदस्य |
| ४) श्री. ए. एस. नलवडे, उपकुलसचिव | — सदस्य सचिव |

— कामकाज —

बैठकीच्या सुरुवातीस उपकुलसचिव, विशेष कक्ष (सदस्य सचिव श्री. ए. एस. नलवडे) यांनी सर्व उपस्थित समिती सदस्यांचे स्वागत केले.

संख्याशास्त्र अधिविभागाने दि. २९/६/२०१८ रोजी सादर केलेले माजी सैनिक आरक्षणासंदर्भातील पत्र तसेच माजी सैनिक आरक्षणासाठीची शासनाची दि. १३.८.२०१४, दि. १३.६.१९८५ रोजीचे परिपत्रके इ. अनुलधून खालीलप्रमाणे ठसव केले :—

- १) संख्याशास्त्र अधिविभाग व पी.व्ही.डी.पी. महाविद्यालय, तासगाव येथील अपेंग आरक्षणासदर्भात विभागप्रमुख यांनी दि. २८.६.२०१८ रोजी विचारणा केली होती. त्यास अनुसरून विशेष कक्ष विभागाने, आंदशान्वये संवधित अधिविभागाम अपेंग प्रवर्गातील उपलब्ध विद्यार्थ्यांमध्ये गुणवत्ता यादी तयार करावी व न्यातील गुणवत्ता अग्रक्रमानुसार एका विद्यार्थ्यांमध्ये त्याच्या प्रवर्गातर्गत (खुलें विवा सामाजिक प्रवर्ग) प्रवेश देता येईल असे कल्याचिलेले आहे. विभागाने केलेली ही कार्यवाही विद्यार्थी प्रवेशामाठीच्या समांतर आरक्षणविषयक प्रचलित शासन धोरणानुसार आहे.

महाराष्ट्र राज्यातील सर्व अकृषी विद्यापीठातील शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाकरिता मराठा समाजासह सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) वर्गास तसेच खुल्या प्रवर्गातील आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकांसाठी जागा आरक्षित ठेवण्याबाबत...

महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग

शासन परिपत्रक क्र. संकीर्ण-२०१९/प्र.क्र. २२/विशि-३

हुतात्मा राजभुरु चौक, मादाम कामा मार्ग,
मंत्रालय, विस्तार भवन, मुंबई-४०० ०३२.

दिनांक:- ८ मार्च, २०१९.

संदर्भ:-

- १) विधी व न्याय विभागाचा सन २०१८ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्रमांक ६२, दि. ३० नोव्हेंबर, २०१८.
- २) सामान्य प्रशासन विभाग शासन निर्णय क्र.राआधी-४०१९/प्र.क्र.३१/१६-अ, दि. १२ फेब्रुवारी, २०१९.

महाराष्ट्र राज्यातील सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) नागरिकांच्या वर्गाच्या प्रगतीसाठी राज्यातील शैक्षणिक संस्थांमधील प्रवेशाकरिता जागांच्या आरक्षणासाठी आणि राज्याच्या नियंत्रणाखालील लोकसेवांमधील नियुक्त्यांच्या आणि पदांच्या आरक्षणासाठी आणि तसेचंपित किंवा तदनुंयंगिक वार्षीची तरतुद करण्यासाठीचा अधिनियम उपरोक्त संदर्भ क्रमांक १ अन्वये महाराष्ट्र शासनाच्या दि. ३० नोव्हेंबर, २०१८ च्या राजपत्रामध्ये प्रसिद्ध करण्यात आलेला आहे. सदर अधिनियमातील मुद्दा क्र. ४ (१) (क), अन्वये राज्यातील अनुदानित तसेच विनाअनुदानित शैक्षणिक संस्थामधील प्रवेशाच्या एकूण १६% जागा मराठा समाजासह सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) नागरिकांच्या प्रवर्गासाठी आरक्षित करण्यात आल्या आहेत.

तसेच संदर्भ क्रमांक २ च्या शासन निर्णयान्वये महाराष्ट्र राज्यातील खुल्या प्रवर्गातील आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकांसाठी शासकीय सेवा व शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाकरिता १०% जागा आरक्षित करण्याबाबत आदेश निर्गमित करण्यात आले आहेत. तसेच सदर शासन निर्णयातील मुद्दा क्र. ४ अन्वये शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाबदतचे आवश्यक आदेश सर्व संवंधीत विभागांनी तात्काळ निर्गमित करण्याबाबत आदेशित करण्यात आले आहे.

सामान्य प्रशासन विभागाने उपरोक्त शासन निर्णयान्वये आदेशीत केल्यानुसार मराठा समाजासह सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) वर्गास १६% जागा तसेच खुल्या प्रवर्गातील आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकांसाठी १०% जागा महाराष्ट्र राज्यातील शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाकरिता आरक्षित करण्याबाबत या विभागाच्या अधिनस्त असलेल्या सर्व सार्वजनिक अकृषी विद्यापीठांना निर्देश देण्याकरिता याबाबतचे शासन परिपत्रक निर्गमित करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन परिपत्रक:-

उपरोक्त संदर्भ क्रमांक १ व २ ला अनुसरून महाराष्ट्र राज्यातील सर्व सार्वजनिक अकृषी विद्यापीठातील शैक्षणिक संस्थांमध्ये प्रवेशाकरिता मराठा समाजासह सामाजिक व शैक्षणिकदृष्ट्या मागास (एसईबीसी) वर्गास १६% जागा तसेच खुल्या प्रवर्गातील आर्थिक दृष्ट्या दुर्बल घटकांसाठी १०% जागा आरक्षित ठेवण्यात याव्यात.

२. शासनाने निर्धारित केलेले शैक्षणिक संस्थातील प्रवेशामधील सदर आरक्षण राज्यातील उच्च व तंत्र शिक्षण विभागातांगत येणाऱ्या अल्पसंख्यांक शैक्षणिक संस्थाखेरीज सर्व अकृषी विद्यापीठे, अभिमत विद्यापीठे, विधी विद्यापीठे, स्वयं अर्थसहायित विद्यापीठे, त्यांच्याशी संलग्नीत असणारी सर्व अनुदानित व विनाअनुदानित महाविद्यालये व स्वायत्त महाविद्यालये यांना लागू होईल. सदर आदेशाची प्रभावी अंमलबजावणी होईल हे पाहण्याची जवाबदारी संवंधित विद्यापीठांची राहील.

३. शैक्षणिक संस्थामध्ये प्रवेशासाठी विद्यापीठांनी/संस्थांनी नियम / परिनियम तथार केले असतील आणि त्यामध्ये विविध सामाजिक घटकांचे आरक्षण दर्शविण्यात आले असेल तर या आरक्षणाच्या अनुषंगाने त्या नियमात/ परिनियमात संवंधितांनी विहित कार्यपद्धतीनुसार आवश्यक त्या सुधारणा तातडीने कसव्यात.

४. सर्व विद्यापीठांना सूचित करण्यात येते की, त्यांनी सदरचे परिपत्रक त्यांच्या अधिनस्त असलेल्या सर्व शैक्षणिक संस्थांच्या निदर्शनास आणुन द्यावे.

सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करून देण्यात आला असून त्याचा संकेतांक क्रमांक २०१९०३०८१४४०३०९२०८ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षाकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल याच्या आदेशानुसार व नावाने,

**SIDDHARTH
KHARAT**

(सिद्धार्थ खरात)
सहसचिव, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

१. मा.राज्यपाल यांचे सचिव, राजभवन, मुंबई,
२. मा.मुख्यमंत्री यांचे अपर मुख्य सचिव, मंत्रालय, मुंबई.
३. मा. संत्री, उच्च व तंत्रशिक्षण यांचे विशेष कार्यअधिकारी, मंत्रालय, मुंबई.
४. मा. राज्यमंत्री, उच्च व तंत्रशिक्षण यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई
५. सचिव, उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे स्वीय सहाय्यक.
६. सर्व अकृषी विद्यापीठांचे कुलगुरु / कुलसचिव.
७. सर्व विधि विद्यापीठांचे कुलगुरु / कुलसचिव.

ग्रासन परिपत्रक क्रमांक संकीर्ण-२०१५/प्र.क्र. २३/विशि-३

८. सर्व स्वयं अर्थसहायीत / अभिमत विद्यापीठांचे कुलगुरु/ कुलसचिव
९. संचालक, उच्च शिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, पुणे.
१०. संचालक, तंत्रशिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
११. सर्व विभागीय सहसंचालक, उच्च शिक्षण विभाग, महाराष्ट्र राज्य.
१२. सर्व विभागीय सहसंचालक, तंत्र शिक्षण, महाराष्ट्र राज्य.
१३. उप सचिव, (विशि) (भाशि) (तांशि) उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग यांचे स्वीय सहाय्यक, मंत्रालय, मुंबई
१४. उप सचिव (१६आ), सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, मुंबई
१५. निवड नस्ती - कार्यासन विशि-३.

शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० करिता विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षण निश्चित करण्यासाठीची नियमावली :

अकृषी विद्यापीठे व संलग्नित महाविद्यालयातील विद्यार्थी प्रवेशासाठी राज्य शासनाने एसईबीसी (मराठा) आरक्षण १६ टक्के, अर्थिक दुर्बल घटकांसाठीचे आरक्षण १० टक्के लागू केले आहे, सदरचे आरक्षण व तत्पूर्वीचे ५० टक्के आरक्षण यामुळे विद्यार्थी प्रवेशातील एकूण आरक्षण ७६ टक्के इताले आहे. त्यानुसार विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षणाची काटेकोर अंमलबजावणी होणे आवश्यक आहे. ज्या ठिकाणी सर्व मागास प्रवर्गाना आरक्षण मिळू शकेल इतकी विद्यार्थी प्रवेश संख्या उपलब्ध आहे, त्या ठिकाणी आरक्षणाची अंमलबजावणी करता येते. तथापि, ज्या ठिकाणी प्रवेश क्षमता कमी आहे व सर्व मागास प्रवर्गाना टक्केवारीनुसार आरक्षण प्रदान करता येणार नाही त्याठिकाणी आरक्षणाचा प्राधान्यक्रम निर्धारित करणे आवश्यक आहे. तसेच विहित आरक्षण निर्धारणासाठी आवश्यक ते गणन करण्याच्या दृष्टीने धोरणात्मक निर्णय घेणे आवश्यक आहे. यासंदर्भात शासनाकडे ही मार्गदर्शन मागविले आहे, परंतु विद्यापीठातील व महाविद्यालयातील विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया तात्काळ आरंभ होत असल्याने शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० करिता विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षण निश्चित करण्यासाठीची नियमावली बनविण्याची बाब विशेष कक्ष (विद्यापीठ प्रशासन व पदव्युत्तर अधिविभाग) स्थायी समितीची उपसमिती व महाविद्यालयांच्यासाठीच्या विशेष कक्ष (विद्यापीठ स्तर) स्थायी समितीच्या उपसमिती यांच्या संयुक्त बैठकीत विचारार्थ सादर.

१. विद्यार्थी प्रवेशातील एसईबीसी (मराठा) आरक्षण, अर्थिक दुर्बल घटकांसाठीचे आरक्षण निर्धारित करण्यासाठी, या आरक्षणांच्या सरक्कसेवा भरतीसाठी राज्य शासनाने निर्गमित केलेले शासन आदेश, शासन परिपत्रके इ. मधील तरतूदी विचारात घेणेत याव्यात.
२. ज्या विषयांसाठी/अभ्यासक्रमांसाठी उपलब्ध प्रवेश क्षमता अल्प आहे (उदा.२, ३, ४, ५, इत्यादि) त्यामधील आरक्षणाचा प्राधान्यक्रम ठरविण्यासाठी दि. ७.१.२०१९, दि. २९.५.२०१७ रोजीच्या सामान्य प्रशासन विभागाच्या शासन घरिपत्रकातील सरक्कसेवा भरतीसंदर्भातील तदतूदीनुसार कार्यवाही करावी.
३. विजाभज (VJNT) प्रवर्गासाठीच्या एकत्रित ११ टक्के आरक्षणानुसार ज्या ठिकाणी १ पद उपलब्ध होते, त्या ठिकाणी उपरोलिलखीत दि. ७.१.२०१९ रोजीच्या शासन परिपत्रकातील तरतूदीनुसार विजाभ प्रवर्गास (VJA) प्राधान्याने आरक्षण देण्यात यावे.
४. विद्यार्थी प्रवेशातील आरक्षण निश्चित करत असताना, ०.५ अथवा त्यापुढील अपूर्णांकाचे गणन '१' अशा पूर्णसंख्येत करावे. तसेच एखाद्या विषयाचे टक्केवारीनुसार आरक्षण निश्चित करताना ज्या मागास प्रवर्गासाठीचा अपूर्णांक 'मोळा' असेल त्यास प्राधान्य देण्यात यावे. (उदा. ०.५४ आणि ०.५६ असेल तर ०.५६ ला प्राधान्य द्यावे.)
५. विद्यार्थी प्रवेशातील एसईबीसी (मराठा) आरक्षण, अर्थिक दुर्बल घटकांसाठीचे आरक्षण याबाबतची कार्यवाही संबंधित अधिविभाग आणि पदव्युत्तर प्रवेश विभाग यांचेहोरे ज्या त्या वेळचे मा. न्यायालयाचे न्यायनिर्णय, राज्य शासनाचे आदेश इत्यादि अनुलक्षून करणे बंधनकारक आहे.

महाराष्ट्र राज्यातील अल्पसंख्याकांकडून
चालविण्यात येणाऱ्या शैक्षणिक संस्थांना
धार्मिक/भाषिक अल्पसंख्याक संस्था
म्हणून दर्जाची मान्यता देण्यासाठी
कार्यपद्धती, अटी व शर्ती विहित करणेबाबत.

महाराष्ट्र शासन
अल्पसंख्याक विकास विभाग
शासन निर्णय, क्रमांक: अशैस-२००८/प्र.क्र.१३३/२००८/का.१
मंत्रालय, मुंबई - ४०० ०३२.
दिनांक :- ४ जुलै, २००८.

- संदर्भ :- १) राष्ट्रीय अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था आयोग अधिनियम, २००४.
२) सामान्य प्रशासन विभाग, शासन निर्णय क्रमांक : असंस-२००६/ ६३४/
प्र.क्र.६३/२००६/३५, दिनांक २७ जुलै, २००६.
३) सामान्य प्रशासन विभाग, शासन निर्णय क्रमांक: असंस-२००६/
६३४/ प्र.क्र.६३/२००६/३५, दिनांक ११ जून, २००७.
४) शासन अधिसूचना, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक : शाकानि-
१००८/प्र.क्र. ४/२००८/१८ (रवका), दिनांक २१ फेब्रुवारी, २००८
५) शासन अधिसूचना, अल्पसंख्याक विकास विभाग,
क्रमांक: असंस-२००८/प्र.क्र.१४९/०८/का.१, दि.४ जुलै, २००८.

शासन निर्णय :-

राज्यातील अल्पसंख्याकांकडून चालविल्या जाणाऱ्या शैक्षणिक संस्थांना धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक संस्था म्हणून दर्जाची मान्यता प्रदान करण्याबाबतची विद्यमान कार्यपद्धती सुलभ करण्याची बाब राज्य शासनाच्या काही काळ विचाराधीन होती. त्यानुसार या क्षेत्रातील जाणकार हितसंबंधितांशी सल्लामसलत करून आणि यासंबंधात मा.सर्वोच्च न्यायालयाने वेळोवेळी दिलेले निर्देश विचारात घेऊन, सा.प्र.वि., शासन निर्णय क्रमांक. असंस-२००६/६३४/प्र.क्र.६३/२००६/३५, दिनांक ११ जून, २००७ अधिक्रमित करून महाराष्ट्र शासन याद्वारे राज्यातील अल्पसंख्याकांकडून चालविण्यात येणाऱ्या शैक्षणिक संस्थांना धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान करण्यासाठी खालीलप्रमाणे कार्यपद्धती, अटी व शर्ती विनियमित करीत आहे.

(१) अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान करण्यासाठी सक्षम प्राधिकारी :-

राज्यातील अल्पसंख्याकांकडून चालविण्यात येणाऱ्या शैक्षणिक संस्थांना धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान करण्यासाठी राज्य शासनाने प्रधान सचिव / सचिव, अल्पसंख्याक

विकास विभाग, महाराष्ट्र शासन यांना शासन अधिसूचना क्रमांक क्रमांक: असंस-२००८/प्र.क्र.१४९/०८/का.१, दि.४ जुलै, २००८ अन्वये सक्षम प्राधिकारी म्हणून घोषित केले आहे.

(२) धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक दर्जाच्या मान्यतेसाठी पात्रतेचे निकष :-

- १) ज्या शैक्षणिक संस्थांना दि.११ जून, २००७ पूर्वी विशिष्ट आदेश किंवा पत्राद्वारे अथवा सामान्य प्रशासन विभाग, शासन निर्णय क्र.असंस-२००६/६३४/प्र.क्र.६३/ २००६/३५, दिनांक ११ जून, २००७ अन्वये अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था म्हणून मान्यता प्रदान करण्यात आली आहे, अशा शैक्षणिक संस्थांनी अल्पसंख्याक दर्जाच्या मान्यतेसाठी पुन्हा अर्ज सादर करावयाची आवश्यकता नाही. तथापि, खालील परिच्छेद (५) मध्ये विहित केलेल्या अटी अशा सर्व संस्थांना लागू असतील.
- २) अर्जदार अल्पसंख्याक संस्था ही "संस्था नोंदणी अधिनियम १८६०" अथवा "मुंबई सार्वजनिक विश्वस्त अधिनियम, १९५०" किंवा इतर संबंधित संविधी खाली नोंदणीकृत असणे आवश्यक आहे. संबंधित अल्पसंख्याक संस्था ज्या धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक समाजाची असेल त्या अल्पसंख्याक समाजाच्या हिताचे संरक्षण करण्यासाठी स्थापन करण्यात आली आहे, असे त्या संस्थेने तिच्या उपविधि किंवा नियमामध्ये दर्शविले पाहिजे.
- ३) केंद्र शासनाने व महाराष्ट्र शासनाने अल्पसंख्याक म्हणून अधिसूचित केलेल्या सर्व धर्माच्या संस्था त्यांच्या शैक्षणिक संस्थांना धार्मिक अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था म्हणून दर्जाची मान्यता मिळण्यासाठी अर्ज करण्यास पात्र असतील.
- ४) ज्यांची मातृभाषा मराठी भाषेव्यतिरिक्त इतर भारतीय भाषा आहे अशा भाषिकांच्या शैक्षणिक संस्था भाषिक अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था म्हणून मान्यता मिळण्याकरिता अर्ज करण्यास पात्र असतील.
- ५) अर्जदार संस्थेच्या व्यवस्थापन समितीवरील किमान २/३ (दोन तृतीयांश) विश्वस्त / सदस्य संबंधित अल्पसंख्याक समाजाचे असणे आवश्यक आहे.

(३) धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था म्हणून मान्यता देण्यासाठीची कार्यपद्धती :-

- १) धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था म्हणून मान्यता मिळण्यासाठी इच्छूक असलेल्या संस्थेने या शासन निर्णयासोबतच्या प्रपत्र-अ नुसार विहित केलेल्या अर्जाच्या नमून्यात संबंधित संस्था भाषिक अथवा धार्मिक अल्पसंख्याक दर्जा मिळविण्यास इच्छूक आहे, याचा स्पष्ट उल्लेख करून खालील परिच्छेद (४) मध्ये दर्शविण्यात आलेल्या संबंधित कागदपत्रांच्या छायांकित प्रतीसह सक्षम प्राधिकारी यांच्याकडे अर्ज सादर करणे आवश्यक राहील.

- २) रुपये ५००/- (रुपये पाचशे फक्त) किंवा वेळोवेळी ज्याप्रमाणे रक्कम विहित केली जाईल, एवढ्या रकमेच्या किंमतीचे अन्यायीक कोट फी स्टॅम्प अर्जावर लावणे आवश्यक आहे.
- ३) प्रत्येक अर्जासोबत रुपये ५०००/- (रुपये पाच हजार फक्त) किंवा अशी रक्कम जी वेळोवेळी विहित केली जाईल, एवढ्या रकमेच्या किंमतीचे ना परतावा संस्करण शुल्क म्हणून धनाकर्षाच्या स्वरूपात अवर सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग (कार्यासन-२६), मंत्रालय, मुंबई यांच्या नांवे भरणे आवश्यक आहे.
- ४) या शासन निर्णयासोबतच्या प्रपत्र-ब मध्ये विहित केलेल्या प्रतिज्ञापत्राच्या नमून्यात अर्जदार संस्थेने रु.१००/- (रुपये शंभर फक्त) एवढ्या किंमतीच्या अन्यायिक स्टॅम्प पेपरवर नोटराईंड प्रतिज्ञापत्र अर्जासोबत दाखल करणे आवश्यक राहील.
- ५) अर्जाच्या प्राथमिक छाननीदरम्यान असे अर्ज जे विहित नमून्यात नसतील अथवा अपूर्ण माहिती असलेले असतील अथवा विहित किंमतीचे कोट फी स्टॅम्प लावलेले नसतील अथवा संस्करण शुल्क भरले नसेल आणि अर्जासोबत आवश्यक कागदपत्र जोडलेले नसतील तर असे अर्ज फेटाळण्यात येतील व तसे अर्जदार संस्थेस कळविण्यात येईल.
- ६) यानंतर सर्व परिपूर्ण अर्ज या शासन निर्णयाद्वारे विहित केलेल्या तरतूदीनुसार विचारात घेतले जातील आणि अर्ज प्राप्त झाल्यापासून ९० दिवसाच्या आत अर्जदार संस्थेस त्याबाबत कळविले जाईल. या कालावधीत निर्णय घेण्यात आला नाही तर अर्जदार संस्थेस अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान केल्याचे समजण्यात येईल.
- ७) अर्जावर निर्णय घेण्यापूर्वी सक्षम प्राधिकारी त्यांच्या प्राधिकृत प्रतिनिधीमार्फत संबंधित संस्थेस किमान १० दिवसाची आगाऊ सूचना देऊन अर्जदार संस्थेसोबत सुनावणी घेईल. खालील परिच्छेद (४) मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे अर्जदार संस्थेने अर्ज सादर करतांना अर्जासोबत जोडलेल्या कागदपत्रांच्या मूळ प्रती संस्थेच्या अर्जाच्या सुनावणी प्रसंगी सादर करणे आवश्यक राहील.
- ८) संस्थेच्या पदाधिकाऱ्यांसोबतच्या सुनावणीनंतर, सक्षम प्राधिकाऱ्यांनी संबंधित अर्जदार शैक्षणिक संस्थेस अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था म्हणून दर्जाची मान्यता प्रदान केली तर, त्याप्रमाणे अल्पसंख्याक दर्जाच्या मान्यतेचे प्रमाणपत्र अर्जदार संस्थेस प्रदान केले जाईल.
- ९) जर अर्जदार संस्थेचा अर्ज नाकारण्यात आला तर सक्षम प्राधिकाऱ्यामार्फत अर्ज नाकारतांना तशा आशयाचे शासन आदेश दिले जातील.

(४) धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक दर्जा मिळण्यासाठी अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थेने अर्जासोबत जोडावयाच्या कागदपत्रांच्या प्रती :-

- १) न्यास विलेख किंवा संस्था नोंदणीकृत असल्याबाबतच्या प्रमाणपत्राची प्रत.
- २) संस्थेच्या व्यवस्थापन समितीच्या विद्यमान विश्वस्त / सदस्य यांची नावे दर्शविणाऱ्या धर्मादाय आयुक्तांमार्फत प्रदान करण्यात आलेल्या अनुसूची-I ची प्रत.
- ३) संस्थेच्या व्यवस्थापन समितीच्या विश्वस्त / सदस्यांच्या नावात बदल झाला असल्यास धर्मादाय आयुक्तांनी संस्थेस प्रदान केलेल्या फेरफार अहवालाची प्रत.
- ४) संस्थेच्या व्यवस्थापन समितीच्या विश्वस्त / सदस्यांच्या धार्मिक संबंधतेबाबत अथवा भाषिक पार्श्वभूमीबाबत पुरावा. उदा. बाप्तिस्मा प्रमाणपत्र, शाळा सोडल्याचा दाखला इत्यादी.
- ५) संस्था शैक्षणिक अभ्यासक्रम चालवित असल्याबाबतचा पुरावा.

(५) धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक संस्था म्हणून मान्यतेच्या अटी व शर्ती :-

- १) अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था म्हणून दर्जाबाबतची मान्यता केवळ महाराष्ट्र राज्यापुरती तसेच शैक्षणिक बाबी हाताळणाऱ्या शासनाच्या सर्व विभागांच्या बाबतीत लागू असेल.
- २) अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता मूळ न्यास, संस्था किंवा संघटनेला प्रदान करण्यात येईल आणि हा अल्पसंख्याक दर्जा मूळ संस्था चालवित असलेल्या किंवा भविष्यात सुरु करण्याऱ्या सर्व शैक्षणिक संस्थांना लागू असेल.
- ३) उपरोक्त परिच्छेद (२) मध्ये नमूद केलेल्या सर्व निकषांची अर्जदार संस्थेने सातत्याने पुर्तता केली पाहिजे. विश्वस्तांच्या अथवा संस्थेच्या व्यवस्थापन समितीच्या रचनेमध्ये काही बदल झाल्यास, असा बदल झाल्यापासून १५ दिवसांच्या आत सक्षम प्राधिकाऱ्यांना त्याबाबत कळविणे आवश्यक आहे.
- ४) उच्च, तांत्रिक अथवा व्यावसायिक अभ्यासक्रम चालविणाऱ्या अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था खेरीज ज्या अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांना या शासन निर्णयाच्या तरतूदी अंतर्गत अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान करण्यात आलेली आहे, अशा सर्व संस्थांनी -
 - अ) विनाअनुदानित संस्था आणि विनाअनुदानित व अनुदानित भाषिक अल्पसंख्याक संस्था, ज्यांचे माध्यम मान्यताप्राप्त अल्पसंख्याक भाषा आहे अशा संस्थांच्या बाबतीत त्यांनी, विहित कालमर्यादेत आणि रास्त व पारदर्शक प्रवेश प्रक्रियेद्वारे, ज्या पात्र अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांनी प्रवेशासाठी अर्ज केले असतील अशा सर्व विद्यार्थ्यांना प्रवेश दिले पाहिजेत आणि कोणत्याही पात्र अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांचा अर्ज संस्थेने नाकारता कामा नये. स्थानिक गरजांनुसार अशा संस्था बिगर अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांना देखील प्रवेश देऊ शकतील.

- ब) अनुदानित संस्थांच्या बाबतीत (ज्यांचे शैक्षणिक माध्यम मान्यताप्राप्त अल्पसंख्याक भाषा आहे अशा अनुदानित भाषिक अल्पसंख्याक संस्था वगळून), अशा संस्थांनी विहित कालमर्यादेत आणि रास्त व पारदर्शक प्रवेश प्रक्रियेद्वारे, ज्या पात्र अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांनी प्रवेशासाठी अर्ज केले असतील अशा सर्व विद्यार्थ्यांना प्रवेश दिले पाहिजेत आणि कोणत्याही पात्र अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांचा अर्ज संस्थेने नाकारता कामा नये. स्थानिक गरजांनुसार अशा संस्थांनी वाजवी प्रमाणात बिगर अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांना देखील प्रवेश द्यावेत.
- ५) या शासन निर्णयाच्या तरतूदीअंतर्गत अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान करण्यात आलेल्या सर्व उच्च, तांत्रिक अथवा व्यावसायिक अभ्यासक्रम चालविणाऱ्या अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांनी खालील मर्यादेपर्यंत -
- अ) अनुदानित संस्थांच्या बाबतीत मंजूर प्रवेश क्षमतेच्या ५०%,
 - ब) विनाअनुदानित संस्थांच्या बाबतीत मंजूर प्रवेश क्षमतेच्या ५१%,
- इतक्या ज्या अल्पसंख्याक समाजाकरिता मान्यता प्रदान करण्यात आली आहे त्या समाजाच्या पात्र उमेदवारांना खालील कार्यपद्धतीचे पालन करून प्रवेश दिले पाहिजेत.
- i) अनुदानित अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांच्या बाबतीत व्यावसायिक आणि तांत्रिक अभ्यासक्रमाकरिता राज्य शासन आयोजित करत असलेल्या सामायिक प्रवेश चाचणीद्वारे किंवा सामायिक प्रवेश प्रक्रियेद्वारे आणि शिक्षण पदविका अभ्यासक्रमासह इतर अभ्यासक्रमाकरिता गुणवत्तेवर आधारित निवडीद्वारे ; आणि
 - ii) विनाअनुदानित अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांच्या बाबतीत व्यावसायिक आणि तांत्रिक अभ्यासक्रमाकरिता एकत्र अशा संस्थांनी स्वतः आयोजित केलेल्या सामायिक प्रवेश चाचणीद्वारे किंवा राज्य शासनाने आयोजित केलेल्या सामायिक प्रवेश चाचणीद्वारे किंवा सामायिक प्रवेश प्रक्रियेद्वारे आणि शिक्षण पदविका अभ्यासक्रमासह इतर अभ्यासक्रमाकरिता गुणवत्तेवर आधारित निवड प्रक्रियेद्वारे.
 - ६) उपरोक्त ५ मध्ये विहित केलेल्या कार्यपद्धतीद्वारे ५०% / ५१% इतके विद्यार्थी अल्पसंख्याक प्रवर्गामधून न मिळण्याच्या परिस्थितीत, ज्या संस्थांनी त्यांची स्वतःची सामाईक प्रवेश चाचणी पार पाडली असेल अशा संस्था, संस्थेस ज्या अल्पसंख्याक समाजाची संस्था म्हणून मान्यता मिळाली असेल त्या अल्पसंख्याक समाजाचे विद्यार्थी शासनाची सामाईक प्रवेश चाचणी उत्तीर्ण झालेल्या विद्यार्थ्यांमधून मिळविण्याकरिता जाहिरात देतील आणि असे अल्पसंख्यांक विद्यार्थी गुणवत्तेनुसार निवडतील.
 - ७) उर्वरित जागा खालीलप्रमाणे भरण्यात येतील :-

- i) अनुदानित अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांनी राज्य शासनाकडून आयोजित करण्यात येणाऱ्या सामाईक प्रवेश चाचणीद्वारे किंवा सामाईक प्रवेश प्रक्रियेद्वारे - या दोहोंच्या अस्तित्वात नस्सण्याच्या परिस्थितीत - गुणवत्तेवर आधारित प्रवेश प्रक्रियेद्वारे. या जागा खुल्या प्रवर्गातील बिगर अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांमधून भरताना राज्य

शासनाच्या संबंधित शैक्षणिक विभागांनी समाजातील अनुसुचित जाती, अनुसुचित जमाती, भटक्या जाती, विमुक्त जाती, विशेष मागास प्रवर्ग आणि इतर मागास वर्ग इ. दुर्बल घटकांसाठी आरक्षित केलेल्या जागा देखील प्रवेश देताना विचारात घेतल्या पाहिजेत; आणि

ii) विनाअनुदानित अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांच्या बाबतीत एकतर त्यांनी स्वतः आयोजित केलेल्या सामाईक प्रवेश चाचणीद्वारे किंवा गुणवत्तेवर आधारित प्रक्रियद्वारे किंवा राज्य शासन आयोजित सामाईक प्रवेश चाचणीद्वारे किंवा राज्य शासनाच्या सामाईक प्रवेश प्रक्रियेद्वारे. व्यावसायिक अभ्यासक्रम चालविणाऱ्या विनाअनुदानित अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था त्यांच्या स्वेच्छेने अनुसुचित जाती, अनुसुचित जमाती, विमुक्त जाती, विशेष मागास प्रवर्ग, भटक्या जमाती आणि इतर मागासवर्गीय इत्यादि प्रवर्गातील विद्यार्थ्यांना, खुल्या प्रवर्गातील विद्यार्थ्यांबरोबरच प्रवेश देऊ शकतील.

परंतु,

जर ५०% / ५१% इतके विद्यार्थी अल्पसंख्याक कोठ्यामधून उपलब्ध होऊ शकले नाहीत तर या जागा गुणवत्तेवर आधारित प्रक्रियेद्वारे बिगर अल्पसंख्याक उमेदवारांमधून भरण्याकरिता संबंधित संस्थेने अल्पसंख्याक विकास विभागाची विनिर्दिष्ट परवानगी घेणे आवश्यक आहे.

त्याचप्रमाणे या खुल्या गुणवत्तेवर आधारित प्रवेश प्रक्रियेद्वारे निवड केलेल्या सर्व विद्यार्थ्यांची नंवे त्यांनी मिळविलेल्या गुणांसह संस्थेच्या सूचना फलकांवर प्रदर्शित केली पाहीजे.

(d) अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांनी दाखल करावयाचे विवरणपत्र :-

या शासन निर्णयाच्या तस्तुदीअंतर्गत ज्या अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांना अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान करण्यात आली आहे, अशा सर्व शैक्षणिक संस्थांनी प्रवेश पक्रिया पूर्ण झाल्यानंतर शैक्षणिक संस्था चालवित असलेल्या अभ्यासकमाच्या स्वरूपानुसार शिक्षण संचालक, शालेय शिक्षण; शिक्षण संचालक, तंत्रशिक्षण; शिक्षण संचालक, वैद्यकीय शिक्षण आणि शिक्षण संचालक, आयुर्वेद शिक्षण यांच्याकडे शैक्षणिक संस्था चालवित असलेल्या शैक्षणिक अभ्यासक्रमांकरिता प्रवेश दिलेल्या विद्यार्थ्यांच्या प्रवेशाबाबतच्या तपशिलाबाबतचे विवरणपत्र १५ दिवसांच्या आत दाखल केले पाहिजे. तसेच प्रवेश प्रक्रियेत विद्यार्थ्यांनी प्राप्त केलेल्या गुणांसह प्रवेश दिलेल्या विद्यार्थ्यांचा तपशील प्रसिध्द केला पाहिजे. तदनंतर संबंधित शिक्षण संचालकांनी या अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थामधील मुले व मुली आणि अल्पसंख्याक व बिगर अल्पसंख्याक विद्यार्थी यांच्या विभागणी / विगतवारीसह प्रवेशाच्या तपशिलाचे विवरण सक्षम प्राधिकारी यांना दोन महिन्याच्या आत सादर केले पाहीजे.

(७) निरीक्षणाचा अधिकार, अभिलेखाची पडताळणी, चौकशी पार पाढणे आणि
आदेश पारित करणे :-

ज्या शैक्षणिक संस्थांना या शासन निर्णयाच्या तरतूदी अंतर्गत अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान करण्यात आली आहे अशा संस्थेच्या अल्पसंख्याक दर्जाबाबतच्या सत्यासत्यतेबाबत सक्षम प्राधिकाऱ्यांना तक्रार प्राप्त झाली किंवा प्रवेश प्रक्रियेत एखाद्या अल्पसंख्याक विद्यार्थ्यांवर अन्याय झाला किंवा अशी कोणतीही अवैध वाब राज्य शासनाच्या निर्दर्शनास आली तर, सक्षम प्राधिकारी सुनावणी आयोजित करून प्रकरणाची चौकशी करू शकतील किंवा अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था चालवित असलेल्या अभ्यासक्रमाच्या स्वरूपानुसार संबंधित शिक्षण संचालक (शिक्षण संचालक, शालेय शिक्षण; शिक्षण संचालक, तंत्रशिक्षण; शिक्षण संचालक, वैद्यकीय शिक्षण आणि शिक्षण संचालक, आयुर्वेद शिक्षण) यांच्याकडून प्रकरणाची चौकशी करवून घेऊ शकतील आणि याकरिता संबंधित संस्थेच्या अभिलेखांची तपासणी करणे, सर्व संबंधित पक्षांना सूचना बजावणे, अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांची बाजू ऐकून घेणे, बाधित पक्षाकडून पुरावा घेणे, चौकशी पूरी करणे इ. प्रक्रिया पार पाढून अशा प्रकरणी शासन आदेश देऊ शकतील.

(८) अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता मागे घेण्याचे आधार :-

अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थेस प्रदान केलेली धार्मिक अथवा भाषिक अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता खालील आधारांवर मागे घेता येऊ शकेल.

- i) संस्थेने सक्षम प्राधिकाऱ्यांना चुकीची / दिशाभूल करणारी माहिती सादर करून धार्मिक/ भाषिक अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता मिळविली असेल,
- ii) या शासन निर्णयाच्या परिच्छेद (४) आणि (५) मधील कोणत्याही तरतूदीचा भंग करण्यात आला असेल,
- iii) अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थेच्या सत्यतेबाबत किंवा संबंधित अल्पसंख्याक समाजातील विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक हितास मारक अशी गैरव्यवहारी / लबाडीची प्रवेशप्रक्रिया संस्थेने अंगिकारल्याबाबत शासनास तक्रार प्राप्त झाली असेल आणि चौकशी अंती अशी तक्रार सत्य असल्याचे निष्पत्र झाले असेल.

मात्र अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता मागे घेण्याचे कोणतेही आदेश पारित करण्यापूर्वी सक्षम प्राधिकाऱ्यांनी संबंधित संस्थेची बाजू ऐकून घेणे आवश्यक राहील.

(९) सक्षम प्राधिकाऱ्यांच्या आदेशाविरुद्ध दाद :-

सक्षम प्राधिकाऱ्यांनी महाराष्ट्रातील शैक्षणिक संस्थेस अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता नाकारल्याबाबत किंवा शैक्षणिक संस्थेची अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता मागे घेतल्याबाबत जारी

केलेल्या आदेशांविरुद्ध राष्ट्रीय अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्था आयोग, नवी दिल्ली यांच्याकडे दाद मागता येऊ शकेल.

(१०) हा शासन निर्णय शैक्षणिक वर्ष २००८-०९ पासून अंमलात येईल. शासन निर्णय, सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक :- असंस-२००६/६३४/प्र.क्र.६३/२००६/३५, दिनांक ११ जून, २००७ अन्वये राज्यातील ज्या अल्पसंख्याक शैक्षणिक संस्थांना अल्पसंख्याक दर्जाची मान्यता प्रदान करण्यात आली आहे व त्यांना तशा आशयाची प्रमाणपत्रे प्रदान करण्यात आली आहेत अशा सर्व संस्था सदर प्रमाणपत्रे सक्षम प्राधिकाऱ्यांच्या स्वाधीन करून व सक्षम प्राधिकाऱ्यांच्या नावे साध्या कागदावर अर्ज करून त्यांच्या पूर्वीच्या प्रमाणपत्राच्या बदल्यात या शासन निर्णयाच्या तरतूदीअंतर्गत परिच्छेद (३) मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे अल्पसंख्याक दर्जाच्या मान्यतेची प्रमाणपत्रे प्राप्त करून घेऊ शकतील.

(११) हा शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या शालेय शिक्षण विभाग, उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग आणि वैद्यकीय शिक्षण व औषधी द्रव्ये विभाग यांच्या सहमतीने निर्गमित करण्यात येत आहे.

(१२) हा शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध असून त्याचा संगणक संकेतांक क्रमांक २००८०७०४१६३६०७००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

सही/-

(टी. एफ. थेकेकरा)

प्रधान सचिव

अल्पसंख्याक विकास विभाग,

महाराष्ट्र शासन.

प्रति,

मा. राज्यपालांचे सचिव,

मा. मुख्यमंत्रांचे प्रधान सचिव,

मा. उप मुख्यमंत्रांचे सचिव,

मा. मंत्री / मा. राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव

मा. मुख्य सचिव, महाराष्ट्र शासन

अपर मुख्य सचिव / प्रधान सचिव / सचिव, सर्व मंत्रालयीन विभाग

*

प्रबंधक, मूळ न्याय शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई

*

प्रबंधक, अपील शाखा, उच्च न्यायालय, मुंबई

*

प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मुंबई, नागपूर खंडपीठ, नागपूर

*

प्रबंधक, उच्च न्यायालय, मुंबई, औरंगाबाद खंडपीठ, औरंगाबाद

*

प्रबंधक, लोके आयुक्त कार्यालय, मुंबई

धर्मादाय आयुक्त, मुंबई / सर्व सहायक धर्मादाय आयुक्त,

महालेखापाल, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई / नागपूर

अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई

निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई

सर्व विभागीय आयुक्त,
सर्व जिल्हाधिकारी
सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सर्व मंत्रालयीन विभाग
संचालक, उच्च शिक्षण, मुंबई
संचालक, तंत्रशिक्षण, मुंबई
संचालक, वैद्यकीय शिक्षण, मुंबई
संचालक, समाजकल्याण संचालनालय, पुणे
शिक्षण संचालक, (माध्यमिक व उच्चमाध्यमिक),
* सचिव, महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय, विधान भवन, मुंबई
* सचिव, महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग, मुंबई
महासंचालक, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय (प्रसिद्धीसाठी)
निवडनस्ती.

* पत्राने.

प्रपत्र "अ"

धार्मिक/भाषिक अल्पसंख्यांकांच्या शैक्षणिक संस्थेला अल्पसंख्यांक दर्जाची मान्यता मिळण्यासाठी करावयाच्या अर्जाचा नमूना :-

१. अ) संस्थेचे संपूर्ण नांव :
ब-१) संस्थेच्या अध्यक्षांचे नांव व पत्ता
ब-२) सचिवांचे नांव व पत्ता :

२. संस्थेच्या कार्यालयाचा संपूर्ण पत्ता :
फोन क्र., फॅक्स क्र., इमेल क्र.

३. संस्थेचा दि सोसायटीज रजिस्ट्रेशन अँकट १८६० :
नुसार नोंद झाल्याचा दिनांक, क्रमांक व नोंदणी
कार्यालयाचे नांव (सोबत संबंधित कागदपत्रांची साक्षांकित प्रत जोडावी)

४. संस्थेची दि बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अँकट, १९५० या :
कायद्यानुसार नोंद झाल्याचा दिनांक, क्रमांक व नोंदणी कार्यालयाचे नांव (सोबत संबंधित कागदपत्रांची साक्षांकित प्रत जोडावी)

५. अल्पसंख्यांक दर्जा हा धार्मिक अल्पसंख्यांक म्हणून ?

६. केंद्र/राज्य शासनाने अधिसूचित केलेल्या
१) मुस्लिम २) ख्रिश्चन ३) शीख ४) बौद्ध
५) पारसी ६) जैन यापैकी कोणत्या धर्माची संस्था आहे ?

७. भाषिक अल्पसंख्यांकांच्या बाबतीत कोणत्या भाषेकरिता अल्पसंख्यांक दर्जा हवा आहे ?

८. संस्थेच्या मूळ विश्वस्तांची/संचालक मंडळाची संपूर्ण नांवे व प्रत्येकाचा धर्म किंवा मातृभाषा.

| अ.क्र. | संपूर्ण नांव | धर्म/मातृभाषा |
|--------|--------------|---------------|
| | | |

९. संस्थेच्या सध्याच्या विश्वस्तांची/संचालक मंडळाची संपूर्ण नांवे व प्रत्येकाचा धर्म किंवा मातृभाषा.

| अ.क्र. | संपूर्ण नांव | धर्म/मातृभाषा |
|--------|--------------|---------------|
| | | |

१०. संस्थेचा कारभार पाहणाऱ्या
विश्वस्तांपैकी/संचालक मंडळांपैकी किमान
दोन त्रुटीयांश व्यक्ती अल्पसंख्यांक
समुहांचे/भाषिकांचे आहेत किंवा कसे ?
असल्यास त्यांची संख्या.

११. सध्याच्या विश्वस्तांपैकी/संचालक मंडळांपैकी :
वरील प्रमाणे धर्म किंवा मातृभाषा
नसलेल्या विश्वस्तांची नांवे,
धर्म व मातृभाषा.

| अ.क्र. | संपूर्ण नांव | धर्म/मातृभाषा |
|--------|--------------|---------------|
| | | |

१२. संस्थेने त्यांच्या घटनेमध्ये
धार्मिक/भाषिक अल्पसंख्यांकांमधील
व्यक्तीचा सर्वांगीण विकास आणि/किंवा
त्यांचे संरक्षण तसेच त्यांना मदत
देण्यासंदर्भात विशिष्ट उद्दिष्टे विहित केली
आहेत किंवा कसे ? असल्यास कोणती ?
(संस्थेच्या घटनेची साक्षांकित प्रत जोडावी)

१३. शैक्षणिक संस्थेद्वारे संचालित करण्यात
येणाऱ्या विविध शैक्षणिक अभ्यासक्रमांकरिता
गेल्या तीन वर्षात प्रवेश देण्यात आलेल्या
अल्पसंख्याक व बिगर अल्पसंख्याक
समाजाच्या विद्यार्थ्यांची अभ्यासक्रमनिहाय
टक्केवारी.

१४. अर्जदार संस्था ही धार्मिक अथवा भाषिक
अल्पसंख्यांकांनी स्थापित व संचालित
शैक्षणिक संस्था असल्याबाबतचा अर्जदार
देऊ इच्छितात असा जादा तपशील.

अर्जदार संस्थेचे अध्यक्ष/सचिव

ठिकाण :-

दिनांक :-

प्रपत्र "ब"

प्रतिज्ञापत्र

मी वय राहणार

अध्यक्ष/सचिव, संस्थेचे नाव..... पत्ता.....

प्रतिज्ञापूर्वक लिहून देतो की, आमच्या शैक्षणिक संस्थेला धार्मिक / भाषिक अल्पसंख्याक संस्था म्हणून ना हरकत प्रमाणपत्र मिळण्यासाठी मी विहित नमून्यातील अर्ज त्या पुष्ट्यर्थ आवश्यक त्या सर्व कागदपत्रासह दाखल केला आहे. तसेच मी असेही प्रपादन करतो की, आमची शैक्षणिक संस्था अल्पसंख्याक विकास विभाग, शासन निर्णय, क्र. अशैस-२००८/प्र.क्र.१३३/२००८/का.१, दिनांक ४ जुलै, २००८ द्वारे विहित केलेल्या सर्व निकष व अटींची पूर्तता करते.

माझ्या माहितीनुसार अर्जासोबत सादर केलेली सर्व कागदपत्रे खरी व बरोबर आहेत.

सही/-

अध्यक्ष / सचिव,
संस्थेचे नांव.

ठिकाण :-

दिनांक :-

2.1.2

महाराष्ट्र वाइसन

कुमारः इन्होंनी २०८५/९२४६/दिरि-२
प्राक्षण व सेवा योजन विभाग,
मंत्रालय पित्तार घटन, मुंबई ४०० ०३२
टि. २१ ऑगस्ट, १९८५।

$$\sqrt{f_{\text{min}}}$$

गुरुदेव

पिंडारी विजयीठ, बौल्हापूर.

पिण्ड :- १९८५-८६ या रोडप्रॉजेक्ट वर्षापासून नेशनल एन्सिटटपूट ग्रीफ रज्युरेन
कलासिंगपूर, त . विहारी, जि . कोल्हापूर या संस्थेत कला घ इच्छिं पाणिंज्य
मध्याचिनात्यकाढप्पासा परवरमार्थी देख्यावाचत.

तांड़े :- १) शासनाथे द्व. सन्मीली २०८५/९२४६/विषिा-२, टिनोड २३-८-८५ वे पत्र
 २) शिवाजी पिंपोठ, लोल्डपूर याचे द्व. तांगमता- ठी-२/का-७६-४६२७.
 दिः २३-८-८५ वे पत्र

卷之三

जारीरानाव्या तंदरेणीन पत्रान्कये नैरानल इन्स्टीट्युट अफ एज्युकेशन, जयतिंपूर या ठिंडेश १९८५-८६ या शोधणिक कंजपारानु सुरंदवाड येडे नविन कलत व वाणिज्य नडांवि ग्राम्य भुरु करण्यात परवानगी देण्यात आली आहे. उपरोक्त परवानगी कुरंदवाड वेळील नववरता ग्राम्य बंडगाच्या द-त महायिनत्यातील विग्राहीची गैरसीय हात्याकांठी दोषी झटीचर दिल्यात आलो अळ्ये. दोती, कुरंदवाड येळील प्री द-त महायिनलयातील, लला व वाणिज्य विभागाखेतील विद्युतीय व तृतीय घटाच्या घरीत प्रवेश घेऊ इच्छिणा-या विद्युतीयीनी तेर दिले डोऱ नवे म्हणून नैरानल इन्स्टीट्युट अफ एज्युकेशन, जयतिंपूर ता. शिरांड विल्डारोडपूर या संस्थेला सन १९८५-८६ पासून ला व वाणिज्य शाळेये विद्यार्थीय व तृतीय कंपिटो पर्णे तुरु करण्यात परवानगी तदर पत्रामध्ये अभिप्रेत दोती. तथापी आपले परील पत्र तदात देता तदर संस्थेला प्रृथमवड्ये विद्यार्थीय व तृतीय पर्व ला व वाणिज्य पर्णे मुळ करण्यास परवानगी आहे हे स्पष्ट करण्यात येत आहे.

आपला विवाह,
तही (मराठी)

(डी एस ठकार)
उघर साचिव,

- 4 -

- १) विद्युत संघालन (उच्च विद्युत) महाराष्ट्र राज्य पुणे
 - २) प्रशासन अधिकारी (उच्च विद्युत अधिकारी) घारा विद्युत
उप तंचालनालव, हस्तीगड़ रोड, कोल्हापूर विभाग, कोल्हापूर
 - ३) अध्यक्ष, नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ एज्युकेशन, बातिंगपूर, घारा विद्युत
जिल्हा कोल्हापूर.

(खरो नदिकल पुरा)

65

melody
→ will

काशी विद्यालय काशी

19. *Leucosia* (Diptera) *leucostoma* (Fabricius) *leucostoma* (Fabricius)

महाराष्ट्र शासन

तात्पुर

इमांठ सनकोटी २०८५/१९८६/दि. ३०-२,
शिक्षण व तैवायोजन विभाग,
गोपालगंगा, विसंतारभवन, गुंबद ४०० ००९
दिनांक २३. ७. १९८५

प्रति :

कुलसंघिय,
शिवाजी विधायी,
कोल्डापूर

विधय : १९८५/८६ या शैक्षणिक वर्षापात्रानुन नवान इन्स्टिट्यूट
ऑफ एज्युकेशन, जयतिंगपूर, ता. पिरोड, जि. कोल्डापूर
या तंत्रेत कला व धार्मिक महाविद्यालय उद्घाटनात
परवानगी देण्याबाबत

मठोदय,

१९८५/८६ या शैक्षणिक वर्षापात्रानुन नवभारत शिक्षण मंडळ, तांगणी
पानी जापान, कुरुद्वाड पैथील श्री दत्त महाविद्यालय घंद करण्याचा निर्णय
थेतला आहे. नैसर्ग इन्स्टिट्यूट ऑफ एज्युकेशन, जयतिंगपूर पानी ८ दृ. ८५
रोजी शारानाऱ्हे कुरुद्वाड येते नवीन महाविद्यालय उद्घाटनासाठी उर्व केला
दोता. नवभारत गोपा, गोपालगंगा निर्णयाच्या रोदीत महाराष्ट्र नेतृत्वात
ऑफ एज्युकेशनी झेंच हैलेज टीपर्स युनियन्स पानी ३०८५ उर्व न्यायालयात
रिट अर्ज [क्र. २२१२-८५] दाखल केला दोता. कुरुद्वाड पैथील विद्यार्थींची
गैरसोय टावण्यासाठी व रिट अर्ज मार्गे पैण्याची परवानगी देताना उर्व
न्यायालयाने नमूद केलेले जपिष्यांच्या लक्षात घेऊन शासनाने असां निर्णय नेतृत्वात आहे
को, नैसर्ग इन्स्टिट्यूट ऑफ एज्युकेशन यथा तिंगपूर पा. तंत्रेत १९८५/८६ या
शैक्षणिक वर्षापात्रानुन नवा ए लां व धार्मिक महाविद्यालय कुरुद्वाड येते उन
करण्यात परवानगी देण्यात याची.

२) तेवर दैरेत विभायीताकृते अर्ज करण्यास तांगण्यात जाले आहे.
तेवरेच्या अर्कीवर जापण विभायी अधिनियम १९७४ च्या नाम ४३ [४] व
[५] अन्येहे दुटील काम्पीटी करावी दी लिहती.

३) गातनाने दिलेली परवानगी ही पुढील अटीवर :-

१०. गुंबद उर्व न्यायालयाने रिट अर्ज क्र. २२१२/८५ ही मार्गे देण्याची
परवानगी देताना नमूद घेलेल्या जपिष्याच्ये छत्र वापलेशीर
तरुदीच्या जपिन राहून यथाशक्य पालन करावे.

२. शातनाकदून वर की निर्देशित कैलेल्या महाविधानसभास हुण्डेति
जनुदार देण्यात येणार नाही.
३. ज्या पिंडाशाब्दा उच्छव्याची परवानगी देण्यात आलेली आहे,
त्या प्रत्येक विधानाखेच्या त्रिवर्षीय पदवी परीक्षेच्या प्रहिल्या
वर्धाच्या कमीत कमी ४० विधार्थीं + प्रवेश घेतला तरच
[जादिवार्षी भेटातील महाविधानसभारिता ही विधार्थी तंब्या
कमीत कमी ३० असी आहे.] तो धर्म १९८५/८६ पासून तुळ
व्हावा. तसेच १९८५/८६ या शैक्षणिक वर्धाच्या शेवटी ओणा-या
प्रथम वर्धाच्या विधार्पीठ परीक्षेत कमीत कमी ३० विधार्थी
बसते पाहिलेत. [जादिवार्षी विधानातील महाविधानसभा
कमीत कमी २२].
- ४] १९८५/८६ हे शैक्षणिक वर्ष तुळ घालेले आहे. त्यामुळे विधार्पीठाला असी
विनंती करण्यात येते की, या तसेच महाविधानसभा १९८५/८६ पासून हुण्ड करण्यात
परवानगी पावी. त्यानील वौकशी तमिती; सख्तीक्षुटिव्ह कौन्सिल या
तिनेट, पांधा अडवाल विधार्पीठाकदून शातनाकडे प्राप्त ब्रात्तावर काळम ४३[५]
व [७] पानुसार अंतीम संलग्नीकरणाचे जपेश फारदण्यात शातनाची तरसत
नसेत आसे गुडीत परण्यात यावे.
- ५] विधार्पीठाला असेहि कडकिंचात येते की जाहे की, तंबंधित संस्कृता
महाविधानसभा हुण्ड करण्याचा परवानगी देवाना त्या तंस्कृता विधार्पीठाने झाले
निःसंदर्भाधपणे कबवावै की, नवेश जध्या तात्पुरत्या व्यस्तात घेऊ वर ४०
विधार्थी प्रवेश घेतोल तरच प्रत्यक्षात वर्ष तुळ करावेत. महाविधानसभा पुढे
महाविधानसभा तंबंधित विधानाशाब्दा बंद करावी लागेल. काळम ४३[६] व [७]
अनुसार संलग्नीकरणाचा अंतीम प्रस्ताव शातनाकडे पाठीकाळा हो अट पूर्ण
आली किंवा नाहो याबद्यल प्रस्तावामध्ये उलोख करावा असी त्याना पिनंती
करण्यात येत आहे.

पत्राची प्रतिलिपो तंबंधित व्यवस्थापनाकडे पाठक्षिण्यात येत आहे.

आपला विधायातु,
त्याखरीत,

[डी. स. ठाकार]

अध्यक्ष, नेव्हेन इन्स्टिट्यूट ऑफ एज्युकेशन, यशविंगपूर, द्वारा-
शिरोळ तालुका महाराष्ट्र वरेसी विळी तंध निमिटेड, यशविंगपूर, सं. ४५८८.
ता. शिरोळ, यिल्हा कोल्हापूर.
तंबंधेने विधार्पीठाकडे अर्ज केला नवल्यात तात्काळ घरावा.

एम. डॉ. डी. स. ठाकार, विधानसभा, दिल्ली.